सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

सूर्यकुमार फिट हुए, एशिया कप में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे -पेज: 7

सोशल मीडिया पर हम एक्टर्स की हर चीज पब्लिक होती है : वाणी कपूर -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 129 | सोमवार 18 अगस्त 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

द्वारका एक्सप्रेस वे और यूईआर-2 आज से शुरू, पीएम मोदी बोले- किसानों और कारोबारियों को मिलेगा विशेष लाभ

नई दिल्ली (एजेंसी): द्वारका एक्सप्रेसवे के दिल्ली खंड और अर्बन एक्सटेंशन रोड-II जैसी दो प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के उद्घाटन समारोह के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह दिल्ली और उसके आस-पास के क्षेत्रों को जोड़ने में बड़ा कदम है। इस अवसर पर पीएम मोदी का भव्य स्वागत किया गया। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एवं हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस परियोजना के लिए प्रधानमंत्री का अभिनंदन किया। दफ्तर और फैक्ट्री में आने-जाने में आसानी पीएम मोदी ने कहा कि एक्सप्रेस वे का शुभारम्भ कृष्ण की भक्तिमय माहौल में हो रहा है। उन्होंने कहा कि अगस्त का यह महीना क्रांति का महोत्सव होता है। आजादी के वातावरण में दिल्ली अब विकास कार्यों की क्रांति की गवाह बन रही है। इससे दिल्ली, गुरुग्राम और पूरे एनसीआर के लोगों को दफ्तर और फैक्ट्री में आने-जाने में आसानी होगी। इससे किसानों

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने द्वारका एक्सप्रेसवे के दिल्ली खंड और अर्बन एक्सटेंशन रोड-ककके उद्घाटन पर कहा कि यह दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों को जोड़ने में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने दिल्ली-एनसीआर में विकास कार्यों की क्रांति की बात कही जिससे कार्यालय और फैक्ट्री जाने वाले लोगों किसानों और व्यापारियों को विशेष लाभ होगा।

और कारोबारियों को विशेष लाभ होगा। 11 साल में आना-जाना काफी आसान हुआ पीएम ने कहा कि दुनिया जब भारत को देखती है तो उसकी सबसे पहली नजर दिल्ली पर पड़ती है। इसलिए दिल्ली को विकास के पथ पर आगे लाना है। बीते दस वर्षों में दिल्ली-एनसीआर में अभूतपूर्व सुधार हुआ है। यहां नमो भारत जैसा आधुनिक रैपिड सिस्टम है। यानी दिल्ली-एनसीआर में बीते 11 साल में आना-जाना काफी आसान हुआ है। द्वारिका एक्सप्रेस वे या अर्बन एक्सटेंशन रोड-ककदोनों का निर्माण बेहतरीन तरीके से किया गया है। पूर्व की आप और कांग्रेस सरकार पर किया प्रहार पीएम मोदी ने इस अवसर दिल्ली की पूर्ववर्ती सरकारों पर भी करारा प्रहार करते हुए कहा कि एक समय था कि दिल्ली और हरियाणा में विकास करने के बजाय यहां की सरकारें दोनों राज्यों में विवाद करवाती थीं। आरोप तो यहां तक लगाए गए कि हरियाणा में दिल्ली के पानी में जहर मिलाया जाता है। उन सरकारों ने अतीत में दिल्ली में कोई काम नहीं किया। इस कारण यहां विकास कार्य करने में समय लगेगा क्योंकि पहले उनके बनाए गड्ढे भरने में समय जा रहा है। एक माह तक जेल में डालने का काला कानून इस अवसर पर पीएम मोदी ने डॉ अम्बेडकर को नमन करते हुए कहा पूर्व की सरकार के एक काले कानून का भी वर्णन किया। उन्होंने सफाई कर्मचारियों को भी यहां याद किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में सुबह उठने के बाद सबसे पहले सबको सफाई कर्मचारी भाई-बहनों को याद करना चाहिए। उन्होंने यदि कोई सफाई मित्र बिना बताए काम पर नहीं आएगा तो उसे एक महीने तक जेल में डाल देने का प्रावधान था। यह मोदी है जो ऐसे गलत कानूनों को खोज-खोजकर खत्म कर रहा है। हमारी सरकार ऐसे कई कानूनों को समाप्त कर चुकी है। हम सुशासन का विस्तार करते हुए आने वाले समय में बड़े-बड़े रिफॉर्म करने वाले हैं। इन मार्गों से क्या आएगी आसानी? बता दें कि इस यूईआर-2 दिल्ली-एनसीआर की दूरियों को कम करने में आसानी मिलेगी। यह एनएच-44, एनएच-9 और एनएच-48 जैसे प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों को जोड़ेगा। इसके अलावा, यह सोनीपत और बहादुरगढ़ के औद्योगिक क्षेत्रों को लिंक रोड से जोड़ेगा , जिससे उद्योग और माल की आवाजाही करने में लगने वाला समय कम हो जाएगा।

इलाज के लिए सुविधा और पैसे की कोई कमी नहीं : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि गोरखपुर में अब उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधाओं और संसाधनों की कोई कमी नहीं है और जरूरतमंदों को आयुष्मान भारत योजना, मुख्यमंत्री राहत कोष तथा जनप्रतिनिधियों की निधियों के माध्यम से हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। मुख्यमंत्री रीजेंसी अस्पताल के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, गोरखपुर में उच्च स्तरीय इलाज के लिए अब न तो विशेष सुविधाओं की कमी है और न ही पैसे की। यहां सुपर स्पेशलिटी सुविधाएं उपलब्ध हैं और आम नागरिक को उसका लाभ दिलाने के लिए प्रधानमंत्री-मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान) भी है। उन्होंने कहा कि यदि किसी मरीज के इलाज में आयुष्मान योजना की निर्धारित राशि अपर्याप्त होती है तो उसकी मदद मुख्यमंत्री राहत कोष और जनप्रतिनिधियों की निधियों से की जाएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अस्पताल का निरीक्षण

कर उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया और रीजेंसी माई केयर नामक पेशेंट ऐप को भी शुरू किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अब तक साढ़े पांच करोड़ लोगों को आयुष्मान योजना के तहत पांच लाख रुपये तक का निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि जिन लोगों को आयुष्मान या मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ नहीं मिल पाता है, उन्हें मुख्यमंत्री राहत कोष से सहायता दी जाती है। साथ ही विधायकों को भी अपनी निधि से 25 लाख रुपये तक की सहायता इलाज के लिए देने का अधिकार दिया गया है।

हरियाणा में हारी हुई सीटों को लेकर लिया गया बड़ा फैसला, अब किया जाएगा ये काम

चंडीगढ (एजेंसी): हरियाणा के सीएम नायब सैनी की अध्यक्षता में 19 अगस्त को भाजपा ने संगठन की बैठक बुलाई है। बैठक सीएम नायब सैनी के चंडीगढ़ स्थित आवास पर होगी, जिसमें हारे हुए उम्मीदवारों, जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी और प्रदेश पदाधिकारियों को बुलाया गया है। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ोली भी उपस्थित रहेंगे। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य हरियाणा विधानसभा चुनाव में हारी हुई सीटों को लेकर मंथन करना है। ताकि आगामी विधानसभा चुनाव में इन सीटों पर विजय पाई जा सके। इसके अलावा सरकार और संगठन से जुड़े कई मुद्दों पर इस बैठक में चर्चा होगी। इसके बाद पंचकूला में बीजेपी कार्यालय में मन की बात कमेटी भी

मीटिंग होगी। भाजपा ने अभी से 2029 के चुनाव की तैयारी आरंभ कर दी है। भाजपा ने राज्य के उन सभी 42 विधानसभा क्षेत्रों में 12 मंत्रियों और 30 विधायकों को प्रभारी बनाया है, जहां साल 2024 में भाजपा चुनाव हारी थी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और विधानसभा स्पीकर हरविंद्र कल्याण समेत छह भाजपा विधायकों को हारे हुए विधानसभा क्षेत्रों की जिम्मेदारी से अलग रखा गया है। राज्य में विधानसभा सीटों का परिसीमन भी होना बाकी है। 90 विधानसभा सीटों की संख्या बढ़कर 126 होने का अनुमान लगाया जा रहा है। इस लिहाज से भी मंत्रियों एवं विधायकों को हारे हुए विधानसभा क्षेत्रों में काम करने की जिम्मेदारी को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी को सिरसा, डॉ. अरविंद शर्मा को गढ़ी सांपला किलोई और महिपाल ढांडा को गुहला चीका विधानसभा सीटों की जिम्मेदारी मिली है। राजस्व मंत्री विपुल गोयल रोहतक संभालेंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के पुराने विधानसभा क्षेत्र नारायणगढ़ की जिम्मेदारी कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा को सौंपी गई है। चौटाला के प्रभाव वाले सिरसा एवं फतेहाबाद क्षेत्रों में भाजपा ने तीन मंत्रियों को मोचाबंदी करने का जिम्मा सौंपा है। सिरसा शहर में समाज कल्याण मंत्री कृष्ण कुमार बेदी, ऐलनाबाद में सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी एवं डबवाली की जिम्मेदारी खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम को सौंपी गई है।

एमपी कांग्रेस में बवाल: जिला अध्यक्षों की लिस्ट पर भड़के पूर्व मंत्री जयवर्धन के समर्थक, जीतू पटवारी का फूंका पुतला

भोपाल (एजेंसी): मध्य प्रदेश के कई जिलों में अध्यक्ष की नियुक्ति करने के बाद कांग्रेस में ही कलह मच गई है। 71 जिलों की कांग्रेस अध्यक्ष की लिस्ट जारी होने के बाद कुछ नेताओं के इस्तीफे के कयास लगाए जा रहे हैं, तो कई नेताओं के समर्थकों ने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से लेकर उज्जैन, इंदौर और बुरहानपुर समेत कई शहरों में कांग्रेस नेताओं की नाराजगी चर्चा में है। पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह के समर्थकों ने एमपी कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी का पुतला फूंका है। जयवर्धन सिंह के समर्थकों ने फूंका जीतू पटवारी का पुतला जयवर्धन सिंह को कांग्रेस गुना कांग्रेस जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर राघौगढ़ कांग्रेस कार्यकर्ता नाखुश नजर आ रहे हैं। गुस्साए समर्थकों ने

रविवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का पुतला फूंका। सोशल मीडिया के माध्यम से कार्यकर्ता पार्टी के फैसले की आलोचना करते हुए जयवर्धन सिंह की छवि को धूमिल करने का आरोप लगा रहे हैं। कार्यकर्ता अपनी पोस्ट में कह रहे हैं कि प्रदेश का नेतृत्व करने वाले नेता को जिला तक सीमित करना अन्यायपूर्ण है। आलाकमान को इस बारे में दोबारा सोचना चाहिए। इंदौर में समर्थकों का विरोध कांग्रेस ने इंदौर में चिंटू चौकस को शहर अध्यक्ष और विपिन वानखेड़े को जिला अध्यक्ष बनाया है। इसे लेकर भी कांग्रेस में विरोध हो रहा है। सर्वे और राय शुमारी के समर्थकों का कहना है कि पार्टी ने उनके नेताओं को दरकिनार कर दिया गया है। सोशल मीडिया पर जताई नाराजगी भोपाल में परवीन सक्सेना को जिलाध्यक्ष बनाया गया है। ऐसे में पूर्व जिलाध्यक्ष मोनू सक्सेना ने पार्टी के इस फैसले का विरोध किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कांग्रेस को खरी-खोटी सुनाई है। 'संगठन सृजन' में लगी कांग्रेस इसी साल जून में कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने भोपाल में संगठन सृजन अभियान की शुरूआत की थी। 71 जिलाध्यक्षों की सूची भी इसी का हिस्सा मानी जा रही है, जिसमें कांग्रेस ने कई नए चेहरों को जगह दी गई है। इससे कांग्रेस में नई परिपाटी की शुरूआत हो सकती है।

'भारत में हैं, तो मेड इन इंडिया खरीदें' ; स्वदेशी का जिक्र कर पीएम मोदी का कहना है संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दिल्ली-एनसीआर में दो प्रमुख राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन किया। परियोजना का उद्घाटन के बाद उन्होंने लोगों को संबोधित किया। संबोधन के दौरान उन्होंने 'वोकल फॉर लोकल' के मंत्र पर जोर दिया। पीएम मोदी ने कहा कि देश के लोगों ने वोकल फॉर लोकल के मंत्र के साथ खादी को अपनाया। हमारा 'मेड इन इंडिया' वढकदुनिया का सबसे बड़ा रियल-डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म बन गया है। पीएम मोदी ने इशारों इशारों में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को संदेश भी दे दिया। पीएम मोदी ने कहा कि आप भारत में रहकर भारत का ही प्रोडाक्ट खरीदें। स्वदेशी चीजें को ज्यादा से ज्यादा बढ़ावा देंगे। देश में 35 करोड़ मोबाइल फोन बन रहे: पीएम मोदी पीएम मोदी ने आगे कहा कि आप लोग वोकल फॉर लोकल के मंत्री पर मेरा साथ दीजिए। पीएम मोदी ने आगे कहा कि 11 साल पहले

हम अपनी जरूरत के ज्यादातर फोन इंपोर्ट करते थे। पीएम मोदी ने कहा कि आज के समय ज्यादातर भारतीय मेड इन इंडिया फोन यूज कर रहे हैं। हम लोग 35 करोड़ मोबाइल फोन बना रहे हैं और उन्हें एक्सपोर्ट भी कर रहे हैं। ट्रंप के अलावा पीएम मोदी ने विपक्षी दलों को भी आड़े हाथों लिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह पहली बार है कि दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में बीजेपी की सरकारें एक साथ सत्ता में हैं। यह दिखाता है कि इस पूरे क्षेत्र में भाजपा को कितना आशीर्वाद मिला है। हालांकि, कुछ पार्टियां इस आशीर्वाद को पचा नहीं पा रही है। वे लोगों के विश्वास और जमीनी हकीकत से पूरी तरह कट चुके हैं। विकास क्रांति की गवाह बन रही दिल्ली: पीएम मोदी प्रधानमंत्री ने कहा कि अगस्त का यह महीना आजादी और क्रांति के रंग में रंगा हुआ है। आजादी के इस त्योहार के बीच आज देश की राजधानी दिल्ली विकास क्रांति की गवाह बन रही है। उन्होंने आगे कहा कि दुनिया, भारत को देखती है परखती है, तो उसकी पहली नजर हमारी राजधानी दिल्ली पर पड़ती है। इसलिए हमें दिल्ली को विकास का ऐसा मॉडल बनाना होगा, जहां हर कोई महसूस करे कि हां, यह एक विकसित देश की राजधानी है। बता दें कि जिन दो प्रमुख राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन हुआ है वो द्वारका एक्सप्रेसवे का दिल्ली खंड और अर्बन एक्सटेंशन रोड-II है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य दिल्ली में भीड़ कम करना, कनेक्टिविटी में सुधार करना, यात्रा के समय को कम करना और प्रदूषण को घटाना है।

वोट की चोरी नहीं, बल्कि डकैती की जा रही, सासाराम में बोले तेजस्वी यादव, लोकतंत्र खत्म नहीं होने देंगे

बिहार (एजेंसी): बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कथित "वोट चोरी" के मुद्दे को लेकर भारतीय जनता पार्टी एवं चुनाव आयोग पर निशाना साधा और कहा कि लोकतंत्र की जननी बिहार से लोकतंत्र खत्म नहीं करने दिया जाएगा। सासाराम में "इंडिया" गठबंधन की "वोटर अधिकार यात्रा" की शुरूआत के मौके पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कहा कि ह्यह्यवोट की चोरी नहीं, बल्कि डकैती" की जा रही है। राष्ट्रीय जनता दल के नेता ने कहा कि बाबासाहेब आंबेडकर ने संविधान में वोट का अधिकार देकर सभी लोगों को ताकत दिया, लेकिन भाजपा के लोग चुनाव आयोग को आगे करके वोट का अधिकार छीन रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, "आपके (जनता) वोट की चोरी नहीं, डकैती की जा रही है।" तेजस्वी यादव ने कहा, "बिहार लोकतंत्र की जननी है। लोकतंत्र की जननी से लोकतंत्र को खत्म नहीं होने देंगे।" उनका कहना था कि चुनाव आयोग और प्रधानमंत्री मोदी बिहार को चूना लगाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, "मोदी जी, यह बिहार है, यहां खैनी के साथ चूना रगड़ दिया जाता है...बिहार में हम बेईमानी नहीं होने देंगे।" राजद नेता ने दावा किया कि वह जिन वादों की घोषणा करते हैं, बिहार की नीतीश कुमार सरकार नकल करके वही घोषणाएं कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में "नकलची सरकार" है। हम बिहार में विकास करने वाली सरकार देंगे- तेजस्वी यादव पूर्व उप मुख्यमंत्री ने कहा, "हमें मौका मिला तो हम बिहार में विकास करने वाली सरकार देंगे।" लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की अगुवाई में निकाली जा रही यात्रा में कथित "वोट चोरी" और बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे को उठाया जाएगा। राहुल गांधी ने कहा कि इस यात्रा में 16 दिन में 20 जिलों में कुल 1,300 किलोमीटर की दूरी

तय की जाएगी। सासाराम से शुरू हो रही यात्रा का समापन एक सितंबर को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में वोटर अधिकार रैली' के साथ होगा। इस जनसभा में इंडिया' गठबंधन के राष्ट्रीय स्तर के नेता शामिल होंगे। यह यात्रा औरंगाबाद, गयाजी, नवादा, नालंदा, शेखपुरा, लखीसराय, मुंगेर, भागलपुर, कटिहार, पूर्णिया, अररिया, सुपौल, मधुबनी, दरभंगा, सीतामढ़ी, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, छपरा और आरा से होकर गुजरेगी।

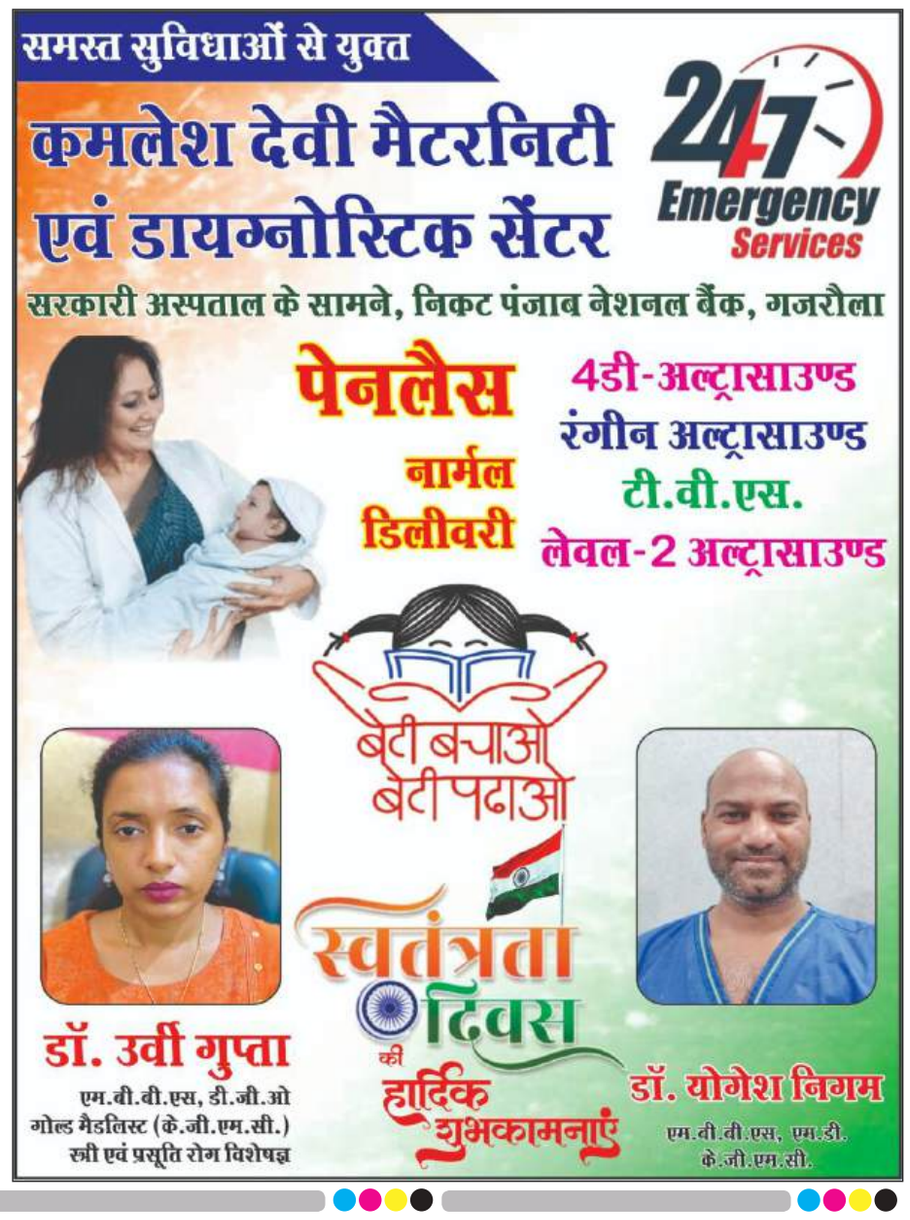

संपादकीय

पर्यावरण सुरक्षा को लेकर सख्ती

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को फिर कहा कि वह विकास के खिलाफ नहीं है, लेकिन यह सतत विकास होना चाहिए। विकास संबंधी गतिविधियों में पर्यावरण और वन्य जीवन के हितों का ध्यान रखा जाना चाहिए। ऐसे उपाय किए जाने चाहिए जिनसे विकास गतिविधियों के कारण पर्यावरण और वन्य जीवन को होने वाले नुकसान की क्षतिपूर्ति हो जाए। सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना सरकार को कांचा गाचीबोवली वन क्षेत्र के समग्र पुनरोद्धार के वास्ते 'अच्छा प्रस्ताव' पेश करने के लिए छह सप्ताह का समय देते हुए उपरोक्त टिप्पणी की। स्पष्ट कहा कि राज्य सरकार को

परियोजना स्थल के क्रियान्वयन के दौरान काटे गए पेड़ों को फिर से लगाना होगा। इससे पूर्व 3 अप्रैल को शीर्ष अदालत ने कांचा गाजीबोवला वन क्षेत्र में वनों की कटाई की गतिविधियों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए अगले आदेश तक यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया था। मामले में 16 अप्रैल को अगली सुनवाईपर सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना सरकार को फटकार लगाते हुए कहा था कि अपने मुख्य सचिव को किसी भी गंभीर कार्रवाई से बचाने के लिए उसे 100 एकड़.वन-रहित भूमि को बहाल करने के लिएएक विशिष्ट योजना प्रस्तुत करनी होगी। कहना होगा कि विकास गतिविधियों के क्रियान्वयन के लिए वन कटान, नदी प्रवाह बाधित करने या मोड़ने जैसे काम कर दिए जाते हैं, और मजे की बात यह कि यह सब करने वाले निकाय इस नुकसान की भरपाई भी नहीं करते। चाहे मुंबई में मेट्रो प्रोजेक्ट के समय उठ खड़ी हुई पर्यावरणीय चिंताएं रही हों या दिल्ली-एनसीआर में शिवालिक पहाड़ियों और दिल्ली रिज में विकास गतिविधियों के नाम पर मचाया गया 'उत्पात' हर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने त्राणदाता की भूमिका का निवर्हन किया है। अदालत की सख्ती के चलते ही विकास के नाम से 'विनाश' को रोका जा सका है। दरअसल, विकास बनाम विनाश की बहस काफी अरसे से जारी है। सरकारी या निजी संस्थान विकास का नाम लेकर व्यापक पैमाने पर लोगों का विस्थापन करते हैं, कुदरती संसाधनों को नष्ट कर ड़ालते हैं। सरकारी अधिकारियों और ठेकेदारों का निहित स्वार्थों को पूरा करने वाला एक गठजोड़.जैसा बन जाता है, जो विकास के नाम पर विध्वंस मचाता है। निगहबानी से ही उनके कुत्सित प्रयासों को रोका जा सकता है।

मुश्किल समय में हमेशा शांति से काम लें

संजय गोस्वामी

जबभी हम शांति को भंग करते हैं तो हमें चिड़चिड़ाहट होती है हमारा कौन ऐसा काम है जो हो नहीं सकता है दूसरों पर हावी होते हैं तो ऐ देखना जरुरी है हम सही हैं या गलत एक इसी तरह की घटना एक चैरीटी संस्था में हुई जो दो गुटों में बंटी है क्योंकि उसमें हकीकत कुछ और है समझ कुछ और पहले ऐ देखना जरुरी है कि मेरे पास जो पेपर हैं वो सही में चुनाव अधिकारी से नहीं चैरीटी कमीशनर से पास हुआ है या नहीं अगर सही में चैरीटी कमीशनर ने चेंज रिपोर्ट को अनुमोदन कर दिया है तो कोई दूसरा कभी दावा नहीं करेगा अतः पहले ऐ देखें हकीकत क्या है जहाँ तक चुनाव का सवाल है लोक सभा चुनाव में एक बार मुझे टेबलटिंग अधिकारी के साथ काम करने का अवसर मिला कितना मुश्किल होता है काउंटिंग राउंड टेबल पर इलेक्शन के दिन फॉर्म सी जो दिया जाता है जिसमें हर बूथ पर चुनावी एजेंट होते हैं वो सभी को बारीकी से देखते हैं और अंतः में फॉर्म सी होता है जिसे वहाँ काउंटर पर चेक किया जाता है और बाद में हर 1घंटे में रिजल्ट काउंटिंग ऑफिसर से टेबूलेशन अधिकारी के पास जाता है और वो आईएएस अधिकारी होता है जो इलेक्शन कमीशन को ऑनलाइन रिपोर्ट देता है और मीडिया में खबर जाती है अतः उस समय कुछ ईवीएम में खराबी आती है जिसे बाद में उसके इंजीनियर ठीक करते हैं ऐसा ना होने पर वीवीपैड से मिलान होता है और जब कैंडिडेट का वोट का मार्जिन बहुत अधिक होता है तो कहीं होता है कहीं नहीं होता निर्भर करता है कि विपक्षी कैंडिडेट क्या चाहता है अंत में चुनाव जितने का सर्टिफिकेट वहाँ का डीएम देता है अतः चुनाव में पारदर्शिता है असल में वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन का मसला कम बल्कि अंदर से सरकार में ऐ मुद्दा बनता जा रहा है कि कब तक मंत्री नहीं बनेगें जो सांसद बार बार लगातार चुन कर आये हैं कांस्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया के सचिव पद के चुनाव को बीजेपी को सतर्क होना चाहिए क्योंकि एक ही पार्टी के कांस्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया के सचिव पद के में राजीव प्रताप रूडी ने संजीव बालियान को हराया है। अब एक चुनाव हारने पर बालियान ने कहा कि कुछ (विपक्षी) दलों के सारे वोट एक ही उम्मीदवार को मिले। पार्टियों ने शीर्ष स्तर पर यह फैसला किया। इसने वहां मेरे उन दोस्तों को भी मजबूर किया, जो मुझे वोट देना चाहते थे, कि वे पार्टी लाइन का पालन करें और किसी दूसरे उम्मीदवार को वोट दें ऐ दिखाता है कि अंदर सब कुछ ठीक नहीं है इसलिए शांति से सबके हित में निर्णय लेना चाहिए सबक लेनी चाहिए की पार्टी भी एक धर्म है जिसमें एकता होना चाहिए और जब अपने को बड़ा दिखाने की कोशिश में आप की पार्टी का ही नुकसान होगा इसलिए त्याग और समय अनुसार परिवर्तन जरुरी है ऐ हमेशा देखा गया है कि जहाँ रामराय जी ने मुगल दरबार में गुरू गद्दी ना मिलने या किसी अन्य कारण से गुरबाणी की त्रुटिपूर्ण व्याख्या की। उस समय की राजनैतिक परिस्थितियों एवं गुरु मयार्दा की दृष्टि से यह सब निन्दनीय थाजब गुरू हरराय साहिब जी को इस घटना के बारे में बताया गया तो उन्होने राम राय जी को तुरंत सिख पंथ से निष्कासित किया। गुरु गोबिंद सिंह ने गुरुगद्दी पर बैठने के बाद राम राय को माफ कर दिया था, जब राम राय ने अपने पिछले अपराधों के लिए पश्चाताप व्यक्त किया और गुरु से मिलने की इच्छा जताई थी। राम राय के अनुयायी और मसंद गुरु और मुख्यधारा के सिखों के बीच किसी भी सुलह के खिलाफ थे, लेकिन फिर भी यमुना नदी के तट पर राम राय और गुरु गोबिंद सिंह के बीच एक बैठक हुई, जिसमें गुरु ने उन्हें क्षमा कर दिया। इस घटना ने सिखों में देश के प्रति क्या कर्तव्य होने चाहिए, ऐसे भावों का संचार हुआ। सिख इस घटना के बाद गुरु घर की परम्पराओं के प्रति अुनशासित हो गए। इस प्रकार गुरू साहिब ने सिख धर्म के वास्तविक गुणों, जो कि गुरू ग्रन्थ साहिब जी में दर्ज हैं, गुरू नानक देव जी द्वारा बनाये गये किसी भी प्रकार के नियमों में फेरबदल करने वालों के लिए एक कड़ा कानून बना दिया।मसंद एक नियुक्त अधिकारी या मिशनरी होता था जो सिख गुरु के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करता था, दशमांश (दसवंध) एकत्र करता था और धर्म का प्रचार करता था। गुरु रामदास द्वारा वित्तीय प्रबंधन और सिख धर्म के प्रसार के लिए शुरू की गई इस व्यवस्था को बाद में गुरु गोबिंद सिंह ने मसंदों के भ्रष्टाचार और उत्पीड़न के कारण उन्हें सबक भी सिखाया , क्योंकि मसंद अपनी शक्ति का दुरुपयोग करने लगे थे और खुद को धार्मिक अधिकारी मानने लगे थे अतः इन सबको देखते हुए ही गुरू गोविन्द सिंहजी ने गुरु ग्रन्थ साहिब को अपना अगला गुरू माना लेकिन गलत चीजों को गलत ही बताया किसी आवेश या किसी के बहकावे में कभी नहीं आए और उनका सारा परिवार शहीद होने के बाद भी अकाल पूरख को सब कुछ माना और मानवता को ही सबसे बड़ा धर्म माना अकाल पुरख गुरु नानक का एक संदेश था जिसका अर्थ है अकाल पुरख समय से परे या कालातीत। यह शब्द सिख धर्म में ईश्वर के लिए इस्तेमाल होता है, जो कि समय और मृत्यु से परे है। अकाल पुरख का शाब्दिक अर्थ

कालातीत प्राणी है, जो कभी नहीं मरता।इसलिए उनके साथ एक बहुत बड़ी संख्या में सिख ही नहीं बल्कि अन्य धर्मों के लोग भी साथ दिए दरअसल उस समय मुगल शासक औरंगजेब का इस्लाम में धर्म परिवर्तन और लूट पाट औरतों के साथ जबरदस्ती और गुरु गोविन्द सिंह के दोनों छोटे से पुत्र को जिस तरह दीवारों में चुनवाने के बाद अंतिम संस्कार हेतु राजा टोडर मल को अपने सारी सम्पति उस छोटे से जमीन के लिए दे दी जो शहीदों को दफनाया गया,और उनके दो पुत्र तो चमकोर की लड़ाई में शहीद हो गए अतः जब आप सच्चे तो कौन हिला सकता है ईश्वर पर विश्वास रखें और हमेशा समय एक जैसा नहीं होता है समय अनुसार दूसरों को भी मौका मिलना भी पार्टी या संस्था के लिए अच्छा होता है अब जो होगा किसी अच्छे के लिए ही होगा ईश्वर पर विश्वास रखें सत्ता मिलती है जितनी मुश्किल से छोड़ना भी मुश्किल जरूर होता है लेकिन यदि पार्टी के हित में हो तो पार्टी को भरोसे में लेना जरुरी है अगर वहाँ दो कैंडिडेट जो बी जे पी के ही थे आपस में मिलकर काम करते और किसी में भी त्याग की भावना होती तो इतना किरकिरी नहीं होता है वक़्त है अभी भी सबको साथ में लेकर चलने की ऐसे में शांति से काम लेना और जमीनी हकीकत को समय के साथ समझना जरुरी है।

तेल, ताकत और तेवर : चीन की ओर भारत का ऊर्जा शिफ्ट

के.के. झा

भारत ने वैश्विक ऊर्जा व्यापार में हलचल मचा दी है। चार साल बाद पहली बार भारत ने चीन को डीजल की खेप भेजी है। यह सिर्फ. एक व्यापारिक सौदा नहीं बल्कि पश्चिमी दबाव के खिलाफ भारत की रणनीतिक हुंकार है। नैयारा एनर्जी की रूसी समर्थन वाली रिफाइनरी से निकला यह डीजल उस समय चीन पहुँचा, जब पश्चिमी देश रूस की ऊर्जा आपूर्ति पर शिकंजा कसने के लिए नए प्रतिबंध और भारी टैरिफ थोप रहे थे। मगर पीछे हटने के बजाय भारत ने रास्ता बदला, पश्चिम की दादागिरी को चुनौती दी और नए भू-राजनीतिक नियम लिखने शुरू कर दिए।

:: दबाव को अवसर में बदला

रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से भारत ने मौके को भुनाया। सस्ती कीमतों पर रूसी कच्चा तेल खरीदकर अर्थव्यवस्था को सहारा दिया और विकास को गति दी। केवल वित्तीय वर्ष 2024-25 में ही भारत ने 50.3 अरब डॉलर का रूसी तेल खरीदा, जो उसकी कुल आयात बिल का 35% था। इस तरह भारत, चीन के बाद रूस का दूसरा सबसे बड़ा ग्राहक बन गया। नैयारा एनर्जी और रिलायंस जैसी घरेलू रिफाइनरियों ने इस कच्चे तेल को परिष्कृत कर यूरोप तक सप्लाई किया। 2024 के अंत तक भारत, यूरोपीय संघ का सबसे बड़ा रिफाइंड रूसी क्रूड सप्लायर बन चुका था। लेकिन 18 जुलाई 2025 को तस्वीर बदल गई। यूरोपीय संघ ने 18वां प्रतिबंध पैकेज लागू कर तीसरे देशों से आने वाले रिफाइंड उत्पादों पर रोक लगा दी। इसी बीच, अमेरिका ने भारतीय निर्यात पर 25% तक टैरिफ लगते हुए नैयारा एनर्जी पर सीधी सजा थोप दी। अचानक भारत की 1.6 मिलियन बैरल प्रतिदिन रूसी क्रूड तक पहुँच खतरे में पड़ गई।

:: चीन से जुड़ाव : पश्चिमी वर्चस्व पर प्रहार

नैयारा की 4,96,000 बैरल की डीजल खेप जब वडिनार से मलेशिया के लिए रवाना हुई, तब किसी ने नहीं सोचा था कि उसका रास्ता बदलकर चीन के झोउशान पोर्ट पहुँच जाएगा। यूरोपीय प्रतिबंधों ने भारत को मजबूर किया कि वह एशिया की ओर देखे। और भारत को चीन में सिर्फ.एक ग्राहक नहीं, बल्कि समान दबावों से जूझता एक साझेदार मिल गया।

2024 में चीन ने 20 लाख बैरल प्रतिदिन से अधिक रूसी क्रूड आयात किया था। अब भारत से आया यह डीजल एशिया में नए ऊर्जा गलियारों के उभरने का संकेत है, जो पश्चिम के पकड़ को हिला रहा है।

:: यथास्थिति को चुनौती

भारत पश्चिमी देशों के इन कदमों को दोहरे मापदंड मानता है - यूरोप अब भी रूसी एलएनजी आयात करता है, जबकि भारतीय रिफाइनरियों पर पाबंदियाँ लगाई जा रही हैं। अमेरिका द्वारा भारतीय निर्यात पर 100% टैरिफ की धमकी से 81 अरब डॉलर का वार्षिक व्यापार दांव पर लग सकता है और क्वाड जैसे गठबंधनों पर असर पड़ सकता है।

भारत और चीन, दशकों की प्रतिद्वंद्विता के बावजूद, व्यावहारिक सहयोग सीख चुके हैं। आज प्रतिबंधों की आंधी में ऊर्जा व्यापार एक पुल की तरह काम कर रहा है। रूस का क्रूड और भारत की रिफाइनिंग क्षमता चीन की ऊर्जा भूख से मेल खा रही है, भले ही सीमाई तनाव और अविश्वास अभी बाकी हैं।पश्चिमी देशों की रूस को अलग-थलग करने की कोशिशों ने नए रास्ते खोल दिए हैं - ह्यशैडो टैंकरह्व रूसी तेल को रिब्रांड कर दुनिया भर में ले जा रहे हैं। यह सब प्रतिबंधों की सीमाओं की कमियों को उजागर करता है और गैर-पश्चिमी देशों को अपने स्वयं के फैसले लेने का साहस देता है।

:: नया विश्व क्रम - पर गठबंधन नहीं

भारत का चीन को डीजल निर्यात 'रूस-भारत-चीन गठबंधन' की अटकलों को भले जन्म दे सकता है, लेकिन सच्चाई इससे कहीं अधिक जटिल है। भारत की रणनीतिक स्वायत्तता ही उसका मार्गदर्शन करती है। विश्व के देशों के बीच बदलते समीकरण ने यह बता दिया है कि किसी भी देश का किसी भी देश के साथ कोई स्थायी गठबंधन नहीं होता, सिर्फ. अवसरवादी साझेदारियाँ होती हैं। अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ भारत के संबंध मजबूत बने हुए हैं, जबकि रूस और चीन से ऊर्जा संबंध उसे लचीलापन देते हैं।

:: आगे की राह

भारत के सामने दो रास्ते हैं - पश्चिमी दबाव के आगे झुककर आर्थिक व्यवधान झेलना या फिर रूस और चीन के साथ ऊर्जा गठजोड़ की कीमत चुकाने का जोखिम उठाना। इसी बीच, भारत ने तेल आयात को 40 देशों तक फैला दिया है और घरेलू ऊर्जा नवाचार व नवीकरणीय निवेश पर जोर बढ़ा दिया है।

चीन को डीजल की यह पहली खेप महज एक व्यापारिक सौदा नहीं है - यह भारत की घोषणा है कि उसे पश्चिमी प्रतिबंधों के घेरे में नहीं बाँधा जा सकता। बदलती हुई दुनिया में भारत अपने भविष्य की इबारत खुद लिख रहा है।

भारत से चीन पहुँची यह डीजल खेप इस सदी का संकेत है - पश्चिम का ऊर्जा और शक्ति पर एकाधिकार टूट रहा है। वैश्विक शतरंज अब बहुध्रुवीयता की ओर झुक रही है, और भारत अपनी स्वतंत्रता और ताकत का दावा पेश कर रहा है। पश्चिम देख सकता है, लेकिन अगली चाल भारत ही चलेगा।

(लेखक इंदौर के वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं)

चिंतन-मनन

वाणी का शरीर पर प्रभाव

-प्रसन्नता से होता है शरीर पुष्ट एवं प्रोध से होती है हानी

मानव शरीर में अनेक ग्रंथियां होती हैं,पियूष ग्रंथि मस्तिष्क में होती है, उससे 12 प्रकार के रस निकलते है, जो भावनाओं से विशेष प्रभावित होती हैं। जब व्यक्ति प्रसन्नचित होता है, तो इन ग्रनथियों से विशेष प्रकार के रस बहने लगते है, जिससे शरीर पुष्ट होने लगता है, बुद्धि विकसित होती है, रक्त गति सामान्य रहती है। जब मनुष्य अधिक बोलता है, तो रक्त की गति अनावश्यक प्रभावित होती है। जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है,खून के थक्के बनने लगते है। इसी प्रकार प्रोध अधिक करने से खून का बहाव कम हो जाता है, खून जमने की शक्ति बढ़ जाने से मृत्यु भी संभव है। अपने जीवन में ज्यादा बोलना अभिशाप हो सकता है। अधिक बोलने से पाचन क्रिया पर गलत प्रभाव पड़ता है, शरीर की अधिक शक्ति खर्च होती है, पेट की माँसपेशियां खिचने लगती है, पाचन रस ग्रंथियों से नही निकलता, शरीर में विटामिन, खनिज तत्व एवं हार्मोन्स की कमी हो जाती हैं। शरीर रोगी हो जाता है, मानसिक दुर्बलता आ जाती है, स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है, याददाश्त कमजोर हो जाती है, अतःवाणी का प्रभाव शरीर पर पड़ता है। हर प्राणी को अपना जीवन झूठा, बनावटी, जोर जोर से बोलने बाला ना बना कर शांत चित बनाना चाहिए।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

आपदा में राहत देने के बजाए जब कुर्सी हिलाने पहुंच गए कई सांसद!

उत्तरकाशी आपदा से जूझ रहे उत्तराखंड में जब मलबे में दबे लोगो की जिंदगी तलाशने की जंग जारी थी,उसी समय देवभूमि के कुछ सांसद कुर्सी की चाहत में प्रधानमंत्री से मिलने पहुंच गए।यूं तो कई बार विपक्ष के बजाए सत्ता पक्ष के ही कुछ लोगो ने मौजूदा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अनेक मामलों में शिकायत कर उन्हें सत्ता से बेदखल करने का असफल प्रयास किया है,लेकिन इस बार तो हद ही हो गई राज्य प्राकृतिक आपदा से जूझ रहा था।भारतीय सेना ,एनडीआरएफ के जवानों व प्रदेश के मुखिया ने प्रलय स्थल पर जाकर मलबे में दबे लोगो को निकालकर उनमे जिंदगी खोजने का काम किया है तो करीब एक हजार लोगों को रेस्क्यू कर उनकी जान भी बचाई है।

उत्तराखंड में आई इस भयावह प्राकृतिक आपदा के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने पहुंचे सांसदों को प्रधानमंत्री ने साफ और सख्त संदेश दिया है कि यह समय एकजुट होकर उत्तराखंड को बचाने का है। दिल्ली में उनसे मिलने पहुंचे सांसदों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो टूक कहा, 'उत्तराखंड में संकट की घड़ी है। आप सभी तत्काल धराली और हर्षिल जैसे प्रभावित क्षेत्रों में जाएं और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का सहयोग करें।' प्रधानमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार उत्तराखंड की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। राज्य को हर आवश्यक सुविधा और सहायता तत्काल उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री धामी खुद मौके पर मौजूद हैं और राहत कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। साथ ही वे लगातार प्रधानमंत्री कार्यालय और केंद्र सरकार के संपर्क में हैं। मोदी ने सांसदों से अपेक्षा जताई कि सिर्फ बैठकें या औपचारिकता नहीं, अब जमीनी स्तर पर मदद की जरूरत है। प्रधानमंत्री के इस निर्देश से उन राजनीतिक लोगो को कड़ा संदेश गया है जो इस आपदा की घड़ी में केवल राजनीति करने तक सीमित बने हुए है।ऐसे राजनेता ओ को उन्होंने साफ कहा कि जनता के बीच जाकर राहत व पुनर्वास कार्यों में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। प्रधानमंत्री की इस सख्ती को लेकर राजनीतिक हलकों में इन दिनों चर्चा तेज है ।वही उत्तराखंड धराली आपदा रेस्क्यू ऑपरेशन अभी भी जारी है।उत्तराखंड सरकार ने आपदा पीड़ितों के लिए सहायता राशि का ऐलान किया।धराली आपदा में जीवन खोने वाले लोगों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए का मुआवजा दिया जायेगा।जिन लोगों ने अपने मकान गंवाए हैं, उन्हें भी 5-5 लाख रुपए की त्वरित सहायता राशि दी जाएगी। इसके साथ ही पंजाब नेशनल बैंक ने आपदा प्रभावितों के लिए 1 करोड़ रुपए की धनराशि प्रदान की है। इस विनाशकारी आपदा ने कई जिंदगियां को छीन लिया है, वहीं लापता लोगों की तलाश में रेस्क्यू टीमें जुटी हुई हैं। सेना और आईटीबीपी के साथ एनडीआरएफ,

एसडीआरएफ और स्थानीय पुलिस रेस्क्यू कार्य में दिन रात मेहनत कर रही है।भारतीय सेना की राजपूताना राइफल्स के 125 जवान, घातक टीम के 10 जवान, स्पेशल फोर्स के 30 जवान और बीईजी रुड़की के 250 जवान मलबे व कीचड़ के बीच लोगों को खोज रहे हैं।इसके अलावा सेना के 75 जवान और 7 खोजी कुत्ते मलबे में दबे लोगों का पता लगाने में जुटे हैं। इतना ही नहीं आईटीबीपी के 113 जवान पैदल मार्गों से प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर राहत कार्य कर रहे हैं। भीषण प्राकृतिक आपदा के कारण प्रभावित क्षेत्र में ठप्प हुई बिजली आपूर्ति को बहाल कर दिया गया है। लगातार भारी वर्षा, भूस्खलन और बादल फटने की घटनाओं से बिजली के पोल, तार, ट्रांसफार्मर और उपसंस्थानों को गंभीर क्षति पहुंची है।सौर ऊर्जा तथा माइक्रो हाइड्रो ग्रिड से निरंतर क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की जा रही है। राजभवन में मुख्यमंत्री धामी ने राज्यपाल से मुलाकात कर धराली और हर्षिल में चल रहे आपदा राहत कार्यों एवं प्रभावित लोगों के पुनर्वास के संबंध में उन्हें जानकारी दी।धराली में एसडीआरएफ की टीमें मलबे में दबे ध्वस्त भवनों में लगातार सर्चिंग कर रही है। लापता व्यक्तियों की तलाश के लिए आधुनिक उपकरणों और डॉग स्क्वाड की सहायता ली जा रही है. ड्रोन के माध्यम से प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण कर स्थितियों पर नजर रखी जा रही है। उत्तराखंड के स्वास्थ्य सचिव आर राजेश कुमार ने बताया कि भर्ती 15 मरीजों में से चार को छुट्टी दे दी गई है। उत्तरकाशी में अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन पर उत्तराखंड के स्वास्थ्य सचिव आर. राजेश कुमार ने कहा, मैंने धराली में ग्राउंड जीरो का दौरा किया और हमारे स्वास्थ्य विभाग ने शिविर स्थापित किए हैं. मैं उत्तरकाशी के ज़िला अस्पताल का भी दौरा करूँगा, जहाँ कुछ मरीज भर्ती हैं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निदेशों के तहत, स्वास्थ्य विभाग, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और भारतीय सेना की टीमें एक साथ मिलकर काम कर रही हैं। धराली में करीब नौ डॉक्टर मरीजों का इलाज कर रहे हैं। इसके अलावा, 28 एम्बुलेंस और बैकअप एम्बुलेंस तैनात की गई हैं।मुख्यमंत्री ने आपदा से प्रभावित ग्रामीणों के पुनर्वास, समग्र पुनरुद्धार और स्थायी आजीविका के सुदृढ़ीकरण हेतु तीन सदस्यीय समिति के गठन की घोषणा की है। यह समिति सचिव, राजस्व की अध्यक्षता में गठित की गई है, जो एक सप्ताह के भीतर अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट शासन को प्रस्तुत करेगी।उत्तरकाशी के जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने बताया कि बचाव अभियान अभी जारी है,फंसे लोगों को एयरलिफ्ट किया जा रहा है।धराली में संपर्क मार्गों को दुरुस्त किया जा रहा है। आपदा प्रभावितों को राहत सामग्री वितरिक की जा रही है।गंगनाली में वैली ब्रिज का कार्य जारी है। धराली में जलविद्युत परियोजना से विद्युत व्यवस्था बहाल कर दी गई है। अभी तक कुल 931 लोगों का रेस्क्यू हो चुका है। हर्षिल से कुल 95 लोगों को मातली लाया गया।107 लोगों को चिन्यालीसौड़ लाया गया।उत्तरकाशी में आपदाग्रस्त क्षेत्र में फंसे लोगों को हेलीकॉप्टर से आईटीबीपी मातली व चिन्याली सौड़ पहुंचाने का सिलसिला जारी है। धराली क्षेत्र में आई त्रासदी ने धराली गांव के लोगों का व्यवसाय छीन लिया है।बड़ी संख्या में घर तबाह हो गए।लेकिन गांव के लोगों की हिम्मत और उनकी एकता को यह तबाही नहीं तोड़ पाई है।आपदा के करीब 3 दिन बाद धराली गांव के लोग वापस अपने उसी बाजार में इकट्ठा हुए और उन्होंने धराली में ही मौजूद सोमेश्वर मंदिर में एक साथ रहने का फैसला किया है।इस मंदिर में कीर्तन मंडली के कमरे में ही गांव के 150 लोगों का खाना बन रहा है और यहां की महिलाएं सभी के लिए एक साथ भोजन तैयार कर रही है। ग्रामीणों ने मन बना लिया है कि चाहे कुछ भी हो जाए,गांव के लोग अलग-अलग नहीं होंगे और एक साथ ही रहेंगे।प्रमुख भूविज्ञानी डॉ. वाई.पी. सुंदरियाल का सवाल है कि खीर गंगा नदी के किनारे इतने सारे होटल, होम-स्टे और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बनाने की अनुमति क्यों दी गई? सुंदरियाल कहते हैं, 'नदियों के बाढ़ वाले मैदानों और जलग्रहण क्षेत्रों में निर्माण कानूनन प्रतिबंधित है, फिर भी पूरे उत्तराखंड में ऐसे अवैध निर्माण जारी हैं। केदारनाथ हो, जोशीमठ या अन्य पहाड़ी शहर हर तरफ व्यावसायिक हित हावी हैं और पर्यावरणीय मानदंडों पर न्यूनतम ध्यान है।'

परंपरागत रूप से, गांव और शहर नदी तटों से एक निश्चित ऊंचाई और दूरी पर बसाए जाते थे। अब ऐसा नहीं है। लोग भूल गए हैं कि एक नदी देर-सबेर अपने जलग्रहण क्षेत्र में लौटती ही है, जैसा कि 2013 में मंदाकिनी और सरस्वती नदियों के साथ हुआ था। सुंदरियाल कहते हैं कि इन पर्वतीय क्षेत्रों में वर्षा भले कम हुई, लेकिन कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन अप्रत्याशित बढ़ा है, जो जलवायु परिवर्तन जनित आपदाओं का कारण है।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जे. बी. पारदीवाला और आर. महादेवन ने 5 अगस्त को हिमाचल सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा, 'पर्यावरण और पारिस्थितिकी की कीमत पर राजस्व अर्जन नहीं हो सकता। हालात ऐसे ही रहे, तो वह दिन दूर नहीं जब पूरा हिमाचल देश के नक्शे से गायब हो जाएगा।' वह सभी हिमालयी राज्यों के लिए ऐसा क्यों नहीं करता- विशेषकर उत्तराखंड के लिए, जो पिछले दो दशकों से 'विकास' के बोझ का मारा हुआ है? मौसम विभाग के मुताबिक 4-5 अगस्त को वहां पर 8 से 10 मिमी ही बारिश हुई जबकि बादल फटने के समय 100 मिमी से ज्यादा बारिश होती है।वैज्ञानिकों का कहना है कि इसकी वजह भूस्खलन से पानी का प्रवाह रुकने से अस्थाई झील बनना, पर्वत की तलहटी पर रुके पानी में ग्लेशियर या चट्टान का गिरना या फिर फ्लैश फ्लड हो सकती है। पूर्व वैज्ञानिक डॉ. डीपी डोभाल बताते हैं कि धराली फ्लड प्लेन में बसा है। धराली के पीछे डेढ़-दो किलोमीटर लंबा और बेहद घना जंगल है। जिस खीर गाड से फ्लैश फ्लड आया वो उन्हीं जंगलों से होकर गुजरता है। उसके ऊपर बर्फीला पर्वत है लेकिन जिस गति से फ्लैश फ्लड आया है वो बादल फटने जैसा नहीं है।ऐसे में कोई ग्लेशियर टूटकर अस्थाई झील या जमे हुए पानी पर गिरता है तो उसे तोड़ देता है, इसी वजह से जो पानी नीचे आया वह काले रंग का और मलबा स्लेटी रंग का है। ऐसा पानी और मलबा जमे हुए स्थान के टूटने से आता है। जैसा 2021 में चमोली जिले के ऋषिगंगा हादसे में अस्थाई झील में जमा मलबा बहकर नीचे आया था,जो भारी तबाही का सबब बना था,अब फिर यही आपदा फिर से मुसीबत का सबब बन गई है।

ओ. पी. एस. इंटरनेशनल स्कूल में स्वतंत्रता दिवस का भव्य आयोजन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना) जावेद चौधरी:- ओ. पी. एस. इंटरनेशनल स्कूल में 79वाँ स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति, उल्लास और सांस्कृतिक रंगों के साथ भव्य रूप से मनाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में राम प्रकाश गर्ग (अध्यक्ष रामलीला समिति, कोषाध्यक्ष व्यापार मंडल गजरौला) एवं नवीन गर्ग (मंत्री व्यापार मंडल गजरौला) पधारे। उन्होंने ध्वजारोहण कर विद्यार्थियों को स्वतंत्रता के अमूल्य महत्व और बलिदान की कीमत समझाई। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. पूनम पंडित द्वारा राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देने से हुआ। विशेष बैंड दल ने अपनी मधुर और जोशीली धुनों से पूरे प्रांगण को देशभक्ति की भावना से सराबोर कर दिया। मंच का संचालन छात्रा सोबिया ने आत्मविश्वास और प्रभावशाली अंदाज में किया। इसके बाद एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया—नन्हे विद्यार्थियों का नन्हा मुन्ना राही हूँ नृत्य, मासूमियत और जोश का अद्भुत संगम था। देशभक्ति गीतों और कविताओं ने दर्शकों की आँखों में गर्व और भावनाओं की चमक भर दी। भारत की बेटी पर प्रस्तुत नृत्य ने बेटियों की शक्ति और सम्मान का संदेश दिया। सुनो गौर से दुनिया वालों और देशभक्ति म्यूज़िकल मेशअप ने युवा पीढ़ी की ऊर्जा और आत्मविश्वास को दशार्या। सना ने ए मेरे वतन के लोगों गीत से सबका दिल जीत लिया, जबकि सुभाना और आशिया के भाषण ने देशप्रेम का जोश और बढ़ा दिया। अनमोल, वंश, रिहान, अनस, नवनीत, इशांत, अमन, हार्दिक, हैदर, चारू, आर्यही, पिंकी, दीपिका, रिया, सना और सुभाना ने अपनी प्रतिभा और मेहनत से मंच को जीवंत कर दिया। वरिष्ठ शिक्षक सतेंद्र सर ने स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास और जिम्मेदार नागरिक बनने के संकल्प पर प्रेरणादायी विचार साझा किए। कार्यक्रम के सफल संचालन में अरशद सर का विशेष योगदान रहा। अंत में विद्यालय प्रबंधक डॉ. पराग पंडित ने सभी अतिथियों, अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यार्थियों का हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें न केवल आजादी की याद दिलाता है, बल्कि अपने कर्तव्यों के पालन का संकल्प भी देता है। तिरंगे की शान के साथ जय हिंद के गगनभेदी नारों और देशभक्ति गीतों की गूंज में कार्यक्रम का समापन हुआ। पूरा विद्यालय प्रांगण गर्व, उत्साह और देशप्रेम की भावना से भर उठा।

01 जुलाई 2025 से 30 सितम्बर 2025 तक चलाया जा रहा राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना) जावेद चौधरी:- चौधरी टी.आर मेमोरियल पब्लिक स्कूल में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय की प्रबंधक इंद्रेश देवी व प्रधानाचार्य नरेंद्र पाठक वह अतिथिगण द्वारा ध्वजारोहण किया गया। और राष्ट्रगान गाकर तिरंगे को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने देशभक्ति गीत और वीर शहीदों को याद करते हुए भाषण प्रस्तुत किए। जिन्हें सुनकर सभी भावुक हो उठे। इस अवसर पर विद्यालय का सभी स्टाफ उपस्थित रहा। विद्यालय में सभी छात्रों ने तिरंगा लेकर बड़ी ही जोश के साथ नारे लगाए। जिससे विद्यालय का संपूर्ण परिसर नारों से गूंज उठा। इस अवसर पर चीफ गेस्ट के रूप में हरिओम गौतम सेवा निव्रत चीनी मिल काला खेड़ा हसनपुर के द्वारा व प्रधानाचार्य नरेंद्र पाठक मैनेजर इंद्रेश देवी के द्वारा ध्वजारोहण किया गया.

पुलिस अधीक्षक एवं जिलाधिकारी द्वारा पुलिस लाइन में विधि-विधान पूर्वक पूजन-अर्चन कर मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

अमरोहा (सब का सपना):- श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर पुलिस अमित कुमार आनंद एवं जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा पुलिस लाइन में विधि-विधान पूर्वक पूजा-अर्चना कर भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव बड़े ही श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक के साथ जनपद के समस्त अधिकारी/कर्मचारीगण एवं उनके परिवारजन तथा RTC कैम्पस डिडौली में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे समस्त रिक्रुट आरक्षी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर भगवान श्रीकृष्ण की आराधना की तथा जन्माष्टमी पर्व की मंगलमय कामनाएँ कीं। इस अवसर पर पुलिस परिवार के प्यारे बच्चों ने श्री कृष्ण एवं राधा रानी का रूप धारण कर रंगा रंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर अपनी अद्भुत प्रतिभा/आकर्षक प्रस्तुतियां का प्रदर्शन किया। रिक्रुट आरक्षियों द्वारा देश भक्ति गीतों पर नृत्य व गायन किया गया जिन्हें देखकर दर्शकों का हृदय आनंदित व मन भावविभोर हो उठा। कार्यक्रम के दौरान पुलिस लाइन परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया एवं श्रद्धालुओं ने भक्ति संगीत और जयकारों के बीच उत्साहपूर्वक पर्व का आनंद लिया। महोत्सव के अवसर पर भारी संख्या में श्रद्धालुओं, पुलिसकर्मी एवं पत्रकार उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक ने इस पावन अवसर पर समस्त पुलिसकर्मियों एवं उनके परिवारजनों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और सभी के सुख, समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की गयी।

पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले अन्तर्राज्यीय गिरोह का किया खुलासा

गाजियाबाद,बिजनौर से चोरी की हुई 04 मोटर साईकिल व एक स्कूटी बरामद

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में अपराध नियंत्रण एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में जनपद के थाना मण्डी धनौरा पुलिस द्वारा वाहन चोरी करने वाले अन्तर्राज्यीय गैंग का खुलासा कर 01 शातिर अभियुक्त/वाहन चोर को गिरफ्तार किया गया है। जिसके कब्जे से दिल्ली, गाजियाबाद, बिजनौर आदि विभिन्न स्थानों से चोरी की हुई 04 मोटर साईकिल एक स्कूटी (अनुमानित कीमत लगभग 5 लाख रुपयें) बरामद हुई हैं। पुलिस के अनुसार थाना मंडी धनौरा पुलिस द्वारा कल दिनांक 16/17 की रात्रि करीब 10 बजे चैकिंग के दौरान नहर किनारे स्थित ग्राम रामपुर बागवान रामगंगापोषक नहर चुचैला पुल की पटरी के पास से अभियुक्त फईम पुत्र अब्दुल अजीज निवासी मौ0 सुभाष नगर थाना मण्डी धनौरा जनपद अमरोहा को गिरफ्तार किया गया है। जिसका एक अन्य साथी रजी पुत्र मौहम्मद रफी निवासी तैलियो वाली मस्जिद के पास मौ0 सुभाष नगर कस्बा व थाना मण्डी धनौरा मौके से फरार हो गया। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से पास में ही झाडियों में छिपाकर रखी हुई चोरी की हुई 04 मोटर साईकिल व 01 स्कूटी बरामद की गई है। पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्त ने बताया कि वह शातिर किस्म के वाहन चोर अपराधी है जोकि आर्थिक लाभ हेतु अपने साथी के साथ मिलकर दिल्ली, गाजियाबाद, बिजनौर आदि जगहों से दो पहिया वाहन मोटर साईकिल चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे तथा चोरी की हुई मोटरसाईकिलों को ग्राहको को धोखा देकर अच्छे दामो में बेचकर आर्थिक लाभ कमाते है ।

जन्माष्टमी के अवसर पर उत्साहपूर्वक हुआ गौ पूजन

अमरोहा (सब का सपना):- श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर अमरोहा जिले की समस्त गौशालाओं में गौ पूजन का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले के विभिन्न गौशालाओं में उत्साह और भक्ति का माहौल देखने को मिला। विशेष रूप से याहियापुर और फरीदपुर इम्मा में आयोजित गौ पूजन समारोह में मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) अश्वनी कुमार मिश्र ने सक्रिय भागीदारी की। जन्माष्टमी का पर्व भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है, जो गायों के प्रति विशेष प्रेम और सम्मान के लिए जाने जाते हैं। इसी परंपरा को जीवित रखते हुए अमरोहा जिले में गौशालाओं में गौमाता की पूजा-अर्चना और सेवा का विशेष आयोजन किया गया। याहियापुर और फरीदपुर इम्मा की गौशालाओं में आयोजित इस समारोह में गायों को स्नान कराया गया, उन्हें फूलों की माला पहनाई गई और गुड़, हरा चारा, खली और भूसा खिलाया गया। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने गायों की आरती उतारी और उनके कल्याण के लिए प्रार्थना की। सीडीओ अश्वनी कुमार मिश्र ने इस अवसर पर कहा, ह्लगौमाता हमारी संस्कृति और परंपरा का अभिन्न अंग हैं। श्रीकृष्ण ने गायों के प्रति प्रेम और उनकी सेवा का संदेश दिया था। जन्माष्टमी के इस पावन अवसर पर गौ पूजन के माध्यम से हम न केवल अपनी सांस्कृतिक धरोहर को संजो रहे हैं, बल्कि गौवंश के संरक्षण और उनके प्रति सम्मान को भी बढ़ावा दे रहे हैं ह्व उन्होंने गौशाला संचालकों को निर्देश दिए कि गायों के लिए हरा चारा, भूसा और खली की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और उनकी स्वास्थ्य जांच नियमित रूप से हो। याहियापुर और फरीदपुर इम्मा की गौशालाओं में स्थानीय लोगों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। समारोह में गायों को भक्ति भाव से सजाया गया और उनके लिए विशेष भोजन तैयार किया गया। स्थानीय निवासियों ने इस आयोजन को सामुदायिक एकता और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देने वाला बताया। एक स्थानीय निवासी, रमेश कुमार, ने कहा, ह्लगौ पूजन का यह आयोजन न केवल हमारी परंपराओं को जीवित रखता है, बल्कि हमें गायों के महत्व और उनकी सेवा के प्रति जागरूक भी करता है। इसके अतिरिक्त, जन्माष्टमी के अवसर पर जिले के मंदिरों में भी भव्य आयोजन हुए। मंदिरों को फूलों और रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया। भक्तों ने भगवान श्रीकृष्ण की झांकियों का दर्शन किया और भक्ति भजनों में हिस्सा लिया। गौ पूजन के साथ-साथ वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए, जिसमें पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। यह आयोजन अमरोहा जिले में सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्यों को संजोने का एक शानदार उदाहरण रहा। गौशालाओं में गायों की सेवा और पूजा के माध्यम से न केवल श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव मनाया गया, बल्कि गौवंश के संरक्षण और पर्यावरण के प्रति जागरूकता को भी बढ़ावा दिया गया। इस अवसर पर मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ आभा दत्त, एडीओ पंचायत राजवीर सिंह साथ ही अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

पीएससी कर्मियों ने सलामी देकर हिमांशु खटाना को दी अंतिम विदाई

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंह:- मंडी धनोरा के बछरायूं थाना क्षेत्र में एक पीएससी जवान की गोली लगने से मौत हो गई। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। बता दें कि सीतापुर में तैनात पीएसी जवान हिमांशु खटाना ने शनिवार सुबह अपनी इसांस राइफल से खुद को गोली मार ली। 30 वर्षीय हिमांशु खटाना बछरायूं थाना क्षेत्र के गांव ईश्वरदेवा के निवासी थे। बताया जा रहा है की घटना शनिवार सुबह करीब 8:30 बजे की है। हिमांशु खटाना की ड्यूटी टावर संख्या एक पर थी।घटना के बाद आनन-फानन में उन्हें तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम के बाद देर रात उनके शव को उनके गांव लाया गया। इसके अलावा आपको बता दें कि हिमांशु खटाना 2019 में पीएसी में भर्ती हुए थे जो 24वीं वाहिनी मुरादाबाद में तैनात थे। वर्तमान में सीतापुर में स्थित केंद्रीय आयुध भंडार की सुरक्षा में तैनात थे। रविवार को उनके शव का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। मृतक हिमांशु खटाना को उनके पिता ने उनके खेत में ही मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार किया। पीएससी कर्मियों ने सलामी देकर हिमांशु खटाना को अंतिम विदाई दी। इस दौरान अंतिम संस्कार में वहां पर पूर्व विधायक हरपाल सिंह ,भाजपा नेता पिंटू भाटी, बसपा नेता शेर सिंह बौद्ध सहित गांव और आसपास के सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

अमरोहा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर निकली भव्य रामडोल शोभायात्रा

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- शहर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर ऐतिहासिक रामडोल शोभायात्रा का भव्य आयोजन किया गया। यह शोभायात्रा श्री धार्मिक रामडोल कमेटी के तत्वावधान में निकाली गई, जो शहर की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस अवसर पर जिलाधिकारी निधि गुप्ता, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने रियासत वाले मंदिर में पूजा-अर्चना कर शोभायात्रा का शुभारंभ किया। शोभायात्रा की शुरूआत सुबह रियासत वाले मंदिर से महाआरती के साथ हुई, जिसमें डीएम निधि गुप्ता और एसपी अमित कुमार आनंद के साथ-साथ स्थानीय विधायक, पूर्व सांसद, पालिकाध्यक्ष और कमेटी के अध्यक्ष पंडित कपिल शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग शामिल हुए। महाआरती के बाद शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी और देर रात पनवाड़ी स्थित यादव मंदिर पर समाप्त हुई। इस दौरान 135 से अधिक झांकियां और डोल आकर्षण का केंद्र रहे, जो भगवान श्रीकृष्ण और श्रीराम के जीवन से प्रेरित थीं। शोभायात्रा का मार्ग मोहल्ला कोट से शुरू होकर कोट चौराहा, कसाई खाना, बेगम सराय, कटरा गुलाम अली और अन्य प्रमुख क्षेत्रों से होकर गुजरा। शोभायात्रा में सबसे आगे गजराज (हाथी) ने अगुवाई की, जिसके पीछे रंग-बिरंगी झांकियों और डोलों का काफिला था। युवा बैंड-बाजों की धुनों पर झूमते हुए भक्ति भजनों पर नृत्य करते दिखे, जिससे पूरा वातावरण कृष्णमय हो गया। फूलों की होली और भक्ति भजनों ने अमरोहा को मिनी मथुरा की तरह जीवंत बना दिया। शोभायात्रा में सभी समुदायों के कलाकारों ने हिस्सा लिया, जो अमरोहा की सामाजिक एकता का प्रतीक रहा। स्थानीय निवासी और आसपास के क्षेत्रों से आए लोग इस भव्य आयोजन को देखने के लिए सड़कों पर उमड़ पड़े। जगह-जगह शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया, और श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। प्रसिद्ध बैंड-बाजों ने शोभायात्रा की रौनक को और बढ़ाया। सुरक्षा के दृष्टिकोण से प्रशासन ने कड़े इंतजाम किए थे। भारी पुलिस बल की तैनाती के साथ-साथ ड्रोन से शोभायात्रा की निगरानी की गई। श्री धार्मिक रामडोल कमेटी के अध्यक्ष पंडित कपिल शर्मा ने बताया कि इस बार 118वीं रामडोल शोभायात्रा को ऐतिहासिक और भव्य बनाने के लिए सभी तैयारियां पहले से पूरी कर ली गई थीं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत को भी बढ़ावा देता है। जिलाधिकारी निधि गुप्ता ने शोभायात्रा की सफलता के लिए आयोजकों को बधाई दी और कहा कि यह आयोजन अमरोहा की सांस्कृतिक धरोहर का अभिन्न हिस्सा है। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने सुरक्षा व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि शांतिपूर्ण और व्यवस्थित आयोजन के लिए सभी पक्षों का सहयोग सराहनीय रहा। यह शोभायात्रा न केवल धार्मिक उत्साह का प्रतीक थी, बल्कि अमरोहा के लोगों की एकता और उत्सवधर्मिता को भी दशार्ती थी। स्थानीय निवासियों ने इसे अपने शहर की शान और गर्व का विषय बताया।

राष्ट्रीय मानव अधिकार व आरटीआई परिषद द्वारा किया गया ध्वजारोहण

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना) जावेद चौधरी:- राष्ट्रीय मानवाधिकार व आरटीआई परिषद संगठन द्वारा 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया और ध्वजारोहण किया गया। सभी ने राष्ट्रीय गान गाकर तिरंगे को सम्मानित किया। यह आयोजन रहरा अड्डा यदुवंशी धाम, यदुवंशी भवन राष्ट्रीय मानवाधिकार के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीनदयाल यादव एडवोकेट के आवास पर हुआ। सभी ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एक दूसरे को बधाई दी। इस मौके पर राष्ट्रीय मानवअधिकार व आरटीआई परिषद के सभी अधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

श्री नारायण सेवा समिति के तत्वाधान में पूर्व निर्धारित कला प्रतियोगिता संपन्न

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- श्री नारायण सेवा समिति (रजि.), चंदौसी के तत्वावधान में पूर्व निर्धारित कला प्रतियोगिता नगर के 19 विद्यालयों के प्रतिभागियों की परीक्षा तीन केंद्रों-सरस्वती शिशु मंदिर हनुमानगगढ़ी, चंदौसी पब्लिक स्कूल तथा सेंट थॉमस पब्लिक स्कूल में संपन्न हुई। जिसमें 365 में से 283 उपस्थित रहे। संपूर्ण प्रतियोगिता चार वर्गों में कराई गई। प्रथम वर्ग में हमारा तिरंगा झंडा या जल बचाओ, द्वितीय वर्ग में वंशी वादक श्रीकृष्ण या वर्षा का दृश्य, तृतीय वर्ग में स्वच्छता अपनाओ रोग भगाओ या सबसे ऊंचा पुल चिनाब तथा चतुर्थ वर्ग में ऑपरेशन सिंदूर या वृक्षारोपण अभियान के चित्र बनाकर अपने मनपसंद रंग भरने को दिए गए। बच्चों ने अपनी रुचि के अनुसार विकल्प का चुनाव कर सुंदर एवं आकर्षक चित्र उकेर कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कक्ष निरीक्षकों में प्रवीण कुमार, नूपुर अग्रवाल, रमन शर्मा, अभिजीत सिंह, नीरज पाल, योगेश कुमारी, वंदना गर्ग, ललित कुमार, रेखा चक्रवर्ती,बबीता, रणजीत कौर तथा सोम शर्मा ने सहयोग किया । डॉ. डी.के. अग्निहोत्री, विपिन गुप्ता, सूर्यजीतसिंह, डॉ. आशीष यादव एवं मुकुंद अग्रवाल केंद्र पर्यवेक्षक रहे । समिति के कृष्णगोपाल मंगलम्, विपिन बालाजी, द्गपालजी, हरीश कठेरिया एड.,

डॉ. जयशंकर दुबे, आशा गोस्वामी, नितेश उपाध्याय, के.जी. गुप्ता, बृजगोपाल गुप्ता ने विशेष सहयोग किया। इस अवसर पर विभिन्न स्कूलों के शिक्षक - शिक्षिकाएं तथा अभिभावक बंधु भी उपस्थित रहे । प्रतियोगिता का संयोजन हरीश कठेरिया एड. ने किया तथा प्रतियोगिता प्रभारी के.जी. गुप्ता रहे ।

श्री वार्ष्णेय नवयुवक संघ ने जन्माष्टमी के अवसर पर भव्य कृष्ण शोभायात्रा का आयोजन किया, निकाली शोभायात्रा

चंदौसी/संभल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- मिनी वृंदावन नगरी चंदौसी में जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर भगवान कृष्ण की भव्य शोभायात्रा का आयोजन श्री वार्ष्णेय नवयुवक संघ के द्वारा किया गया। इस शोभायात्रा का शुभारंभ पालिका अध्यक्षा लता वार्ष्णेय, अखिलेश कुमार खिलाड़ी, पवन कुमार गुप्ता, अमोद गुप्ता, बाबू फूल प्रकाश, मौसम गुप्ता, कपिल गुप्ता डछक्ष अंशुल टनाटन, राहुल टनाटन द्वारा महा आरती के साथ किया गया। शोभायात्रा के मुख्य आकर्षण शोभायात्रा में भगवान कृष्ण का फूलडोल, मटकी फोड़ना, पालने में लड्डू गोपाल, राधा कृष्ण का बाल स्वरूप, वार्ष्णेय कुलभूषण अकुर महाराज, काली माँ का खेलता स्वरूप आकर्षक झांकियां शामिल थीं। जिसमें भक्तों ने भगवान कृष्ण की भक्ति में डूबकर भजन कीर्तन किया पालिका अध्यक्षा लता वार्ष्णेय ने कहा कि भगवान कृष्ण की शिक्षाएं हमें जीवन के सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती हैं। उन्होंने सभी से भगवान कृष्ण के आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर संघ के प्रधान विवेक चौधरी, महामंत्री निर्झर गुप्ता, कोषाध्यक्ष मयंक वार्ष्णेय, देवेश नाथ वार्ष्णेय, तुषार वार्ष्णेय क्रिस्टल, वैभव गुप्ता, मोहित वार्ष्णेय, अभिनव वार्ष्णेय, नितिन वार्ष्णेय आदि का मौजूद रहे।

पथरा रोड स्थित गोकुल धाम के होटल में निकला धुआं, मची अफरा-तफरी

चंदौसी/संभल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- रविवार की दोपहर पथरा रोड पर गोकुल धाम स्थित एक होटल में अचानक धुआं उठने से हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि रेस्टोरेंट के जेनरेटर से अचानक धुआं निकलने लगा, जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। रेस्टोरेंट में मौजूद लोग तुरंत बाहर निकल आए। गनीमत रही कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जेनरेटर में तकनीकी खराबी के चलते यह स्थिति उत्पन्न हुई। रेस्टोरेंट प्रबंधन ने तत्काल जेनरेटर बंद कर स्थिति को काबू में किया। इस घटना से कुछ समय तक स्थानीय लोगों और ग्राहकों में दहशत का माहौल रहा।

सम्भल में शेरवुड इंटरनेशनल स्कूल में स्वतंत्रता दिवस बड़े जोश और उत्साह के साथ मनाया गया

संभल(सब का सपना):- शेरवुड इंटरनेशनल स्कूल संभल में स्वतंत्रता दिवस बड़े जोश और उत्साह के साथ मनाया गया। पूरे स्कूल का माहौल देशभक्ति के रंगों से सराबोर हो गया। बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। किसी ने तिरंगा झंडा बनाया, तो किसी ने झंडे पर सुंदर रंग भर दिए। कई बच्चों ने आकर्षक काड्र्स और प्रेरणादायक पोस्टर्स तैयार किए, जिनमें देशप्रेम की झलक साफ दिखाई दी। कार्यक्रम की शुरूआत ध्वजारोहण और राष्ट्रीय गान से हुई। स्कूल के डायरेक्टर मोहम्मद यूनुस ने ध्वजारोहण कर सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। पूरे स्टाफ ने एक साथ राष्ट्रीय गान गाकर देशभक्ति की भावना को और प्रबल किया। इस कार्यक्रम को यादगार बनाने में बागीशा, अरीबा, सानिया इरशाद, शकीबा, मुस्कान, फरहा, रहनुमा, नूर और सुमेरा का विशेष योगदान रहा। बच्चों की ऊर्जा और उत्साह ने पूरे समारोह को अविस्मरणीय बना दिया।

लाला सोहनलाल सरस्वती शिशु मंदिर में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

चन्दौसी/संभल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- मौहल्ला महाजन स्थित लाला सोहनलाल सरस्वती शिशु मंदिर जूनियर हाई स्कूल में 79 वें स्वतंत्रता दिवस पर भैया-बहनों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। मुख्य अतिथि चिकित्सा अधीक्षक डॉ खिलेंद्र कुमार सक्सेना, प्रबन्धक कुलदीप वार्ष्णेय, कोषाध्यक्ष डॉ टीएस पाल, उपाध्यक्ष सुरेंद्र रस्तोगी, संरक्षक आमोद कुमार, डॉ राजीव लोचन शर्मा, अनुराग अग्रवाल, ह्रदेश यादव, आईपीएस चौहान, डॉ गौरव बंसल, इंदुरानी दिवाकर ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के बाद ध्वजारोहण किया। प्रधानाचार्य सुरेंद्र सिंह राजपूत ने अतिथियों का परिचय एवम अभिनंदन कराया। गणेश वंदना सरस्वती वंदना स्वागत गीत के साथ ही राधा कृष्ण स्वरूप में जन्माष्टमी के उपलक्ष में भजन पर नृत्य बच्चों ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ राजीव लोचन शर्मा तथा संचालन आचार्य राजवीर सिंह ने किया। इस दौरान जगभान सिंह, अशोक अग्रवाल, अरुण विपिन शर्मा, राजेश कुमार शर्मा, कुसुमाकर उपाध्याय, आनंदपाल सिंह, रुचि अग्रवाल, अंजना वार्ष्णेय, गौरव वार्ष्णेय, श्रद्धा गुप्ता, दीप्ति वार्ष्णेय, श्रुति अग्रवाल, अविनाश गुप्ता, चन्द्रवती एवम अभिभावकगण उपस्थित रहे।

श्री बारहसैनी रामलीला एवं रामबाग ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने फहराया तिरंगा

चंदौसी/संभल (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- श्री बारहसैनी रामलीला एवं रामबाग ट्रस्ट चन्दौसी के तत्वाधान में श्री रामलीला नाट्य परिषद चंदौसी ने 79 वां स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रामलीला मैदान रामबाग धाम चंदौसी में प्रभु श्री रामजी की प्रतिमा पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लहराया । साथ ही "योगी जी जब आएँगे, राम राम ही छाएंगे" के नारे लगाए। इस अवसर पर श्री रामबाग ट्रस्ट के प्रधान अशोक कुमार 'फैन्सी, मंत्री अमित के एस, श्री रामलीला नाट्य परिषद के संरक्षक मेवा राम 'दाल वाले, प्रधान गिरिराज किशोर , मंत्री एड ० कपिल वार्ष्णेय, कोषाध्यक्ष संजीव कुमार कैथल वाले उप-मंत्री दीपक वार्ष्णेय 'सोनू' स्टेज-प्रबंधक प्रमोद कुमार गुरु वरिष्ठ-कलाकार हर्षित वार्ष्णेय, उमंग वार्ष्णेय सहित अनेक रामभक्त उपस्थित रहे।

बहजोई मै श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर दीप प्रज्वलन व सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर पुलिस लाइन बहजोई स्थित मंडी समिति मंदिर में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने दीप प्रज्वलित कर पूजा-अर्चना के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ किया। दोनों अधिकारियों ने उपस्थित लोगों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी सम्भल आलोक भाटी, पुलिस उपाधीक्षक डॉ. प्रदीप कुमार सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने भी इस आयोजन में हिस्सा लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के उपरांत प्रसाद वितरण किया गया, जिसने समारोह में चार चांद लगा दिए। यह आयोजन भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ, जिसमें सभी ने भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की।

मंडी धनौरा क्षेत्र में संचालित हुक्का बार में बाइक सवारों ने किया हमला,दो गंभीर रूप से घायल

मंडी धनोरा (सब का सपना) कविन्द्र सिंह:- क्षेत्र में कुछ बाइक सवार दबंग युवकों ने हुक्का बार में हमला कर दिया। इस दौरान बार में घुसे दबंग युवकों ने हॉकी व डंडों से वहां मौजूद लोगों की पिटाई कर दी जिसमें दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को आनन फानन में सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया जहां दो लोगों की हालत गंभीर होने पर उनको बेहतर उपचार के लिए मेरठ रेफर कर दिया गया। ज्ञात रहे कि पूरा मामला मंडी धनौरा थाना क्षेत्र के कस्बे चुचैला कलां का है जहां पर शनिवार की देर रात एक हुक्का बार में कुछ दबंग युवको द्वारा मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया। बताया जाता है कि हाईवे किनारे स्थित हुक्का बार में बाइक सवार कुछ दर्जन भर दबंग युवक अचानक घुस आए जिन्होंने हॉकी और डंडों से वहां मौजूद ग्राहकों पर हमला कर दिया। इस दौरान दो युवक बुरी तरह से घायल हो गए जिनकी हालत नाजुक होते देख बेहतर उपचार के लिए मेरठ रेफर कर दिया गया। इसके अलावा हुक्का बार के मालिक सलमान पुत्र मुबारिक अली ने जानकारी देते हुए बताया कि शनिवार की रात करीब 10:00 बजे बार में करीब 8-10 लोग हुक्का पी रहे थे। इसी दौरान चार-पांच बाइकों पर करीब दर्जन भर लोग सवार होकर आए। जिन्होंने सबसे पहले बार के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे को तोड़ना शुरू किया बाद में बार के अंदर घुसकर उसमें बैठे लोगों पर हमला बोल दिया। इस दौरान हमलावरों ने हुक्का बार में भी काफी तौड़फोड़ की और धमकी देकर रसूलपुर चौकी की तरफ भाग निकले। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। जिसने घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। इस घटना में अजहरुद्दीन और फैसल बुरी तरह से घायल हो गए जिनकी हालत गंभीर होने पर उन्हें मेरठ बेहतर उपचार के लिए रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि हमलावरों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

मदरसा गौसुल आलम में 79 वे स्वतंत्रता दिवस पर आजादी की जीत मनाई

चंदौसी/संभल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- मदरसा गौसुल आलम में 79 वे स्वतंत्रता दिवस को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मदरसा संचालक हाफिज मतीन अशरफी ने कहा की हमारे बुजुर्गों ने आजादी के लिए अपनी जान की बाजी लगा दी और अंग्रेजों के चुंगल से मुल्क को आजाद कराया ऑल इंडिया उलेमा व मशएख बोर्ड के सदस्य शाह आलम मंसूरी ने कहा की पूरा मुल्क इस वक्त यौमे जश्ने आजादी मना रहा है और आजादी की खुशियां हर तरफ हैं बच्चों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि तुम दीनी तालीम के साथ-साथ दुनिया भी तालीम हासिल करके देश का नाम रोशन करो इस बीच मदरसे के छात्रों के अलावा काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

वैश्य एकता मंच ने अटल बिहारी बाजपेयी को दी श्रद्धांजलि

चंदौसी/संभल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- शनिवार को को सुशासन के प्रणेता 'भारत रत्न' व पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की पुण्यतिथि पर वैश्य एकता मंच, चंदौसी के पदाधिकारियों द्वारा नगर के ब्रह्म बाजार में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। श्रद्धांजलि सभा में पदाधिकारियों द्वारा श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर वरिष्ठ समाजसेवी ओमी लाला ओ एल एफ वालों ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई जी राष्ट्र निर्माण की संकल्पना, गरीब कल्याण के प्रयास और सुशासन का दृष्टिकोण आज भी हम सभी के लिए मार्गदर्शन का आधार है मंच के अध्यक्ष लवित वार्ष्णेय ने कहा राष्ट्र के चौतरफा विकास को लेकर 'भारत रत्न' अटल बिहारी वाजपेयी जी का समर्पण और सेवा भाव विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान के लिए हर किसी को प्रेरित करने वाला है। इस मौके पर महामंत्री आकाश वार्ष्णेय, तुषार क्रिस्टल, उपाध्यक्ष दीपेश सेठ, संगठन मंत्री डॉक्टर दिशांत गुप्ता, अभिनव वार्ष्णेय, नवनीत वार्ष्णेय, विशाल अग्रवाल आदि लोग उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक ने थाना बहजोई में साइबर और महिला हेल्प डेस्क का किया उद्घाटन, थाने का लिया जायजा

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने थाना बहजोई में नवनिर्मित साइबर हेल्प डेस्क और महिला हेल्प डेस्क कक्ष का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में महिला मुख्य आरक्षी ने फीता काटकर दोनों हेल्प डेस्क का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने थाना बहजोई का विस्तृत निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने थाना कार्यालय, कम्प्यूटर कक्ष, आगंतुक कक्ष, हवालात, हेल्प डेस्क, सीसीटीवी और थाना परिसर का जायजा लिया। उन्होंने थाने में साफ-सफाई और अभिलेखों की स्थिति की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा, क्षेत्राधिकारी बहजोई आलोक सिद्धू सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। नवनिर्मित साइबर हेल्प डेस्क और महिला हेल्प डेस्क के शुरू होने से क्षेत्र में साइबर अपराधों और महिलाओं से संबंधित शिकायतों के त्वरित समाधान में मदद मिलने की उम्मीद है।

ज्ञानशिला एजुकेशनल ट्रस्ट ने अस्पताल मे मनाया स्वतंत्रता दिवस

चंदौसी/संभल (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- ज्ञानशिला एजुकेशनल ट्रस्ट के तत्वाधान में 79वा स्वतंत्रता दिवस बड़े ही धूमधाम से मुंसिफ मार्ग स्थित आशीर्वाद हॉस्पिटल परिसर में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि चन्दौसी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एड. विनोद कुमार सिंह, सचिव एड. तीरथ राज यादव एवम विशिष्ट अतिथि शैक्षिक सलाहकार डॉ. टीएस पाल द्वारा माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर पुष्पार्चन करके किया गया। बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए एवं गायन प्रतियोगिता आयोजित की गई।जिसमे संदेश ने प्रथम, बलवीर ने द्वितीय एवम धीरज भारती ने तृतीय पुरुष्कार प्राप्त किया। सभी अतिथि एवम सहयोगियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि एड. विनोद कुमार सिंह ने कहा देश के सभी स्वतंत्रता सेनानी एवम सैनिको को नमन जिनके अथक प्रयासों से हमें आजादी मिली और हमारा देश स्वतंत्र हुआ। समाज मे हर व्यक्ति को अपने कार्यो को ईमानदारी एवम लगन से करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि डॉ. टीएस पाल ने कहा शिक्षा ही एक मात्र ऐसी संपत्ति है जिसको जितना बांटा जाए उतनी ही बढ़ती है। ज्ञानशीला एजुकेशनल ट्रस्ट के नौजवानों को साधुवाद जो खुद अपनी शिक्षा ग्रहण करने के साथ ही गरीब एवम असहाय परिवारों के बच्चों को उनकी बस्ती में पहुंचकर पढ़ा रहे है। ज्ञानशिला एजुकेशनल ट्रस्ट के संस्थापक शिवम अग्रवाल ने सभी अतिथिगण, मीडिया एवम सहयोगियो के सहयोग के लिए पौधे भेंट करके आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन प्राची शर्मा एवम साक्षी शर्मा ने किया। इस दौरान एड. एसके सैनी, एड.शुभम अग्रवाल, शिवदत्त शर्मा, के डी शर्मा, निशांत ठाकुर, गुलशन कुमार, कशिश, रश्मि, लकी, अनुराधा, मुदित, वंश, अक्षित, इन्द्रविजय, लक्ष्य आदि उपस्थित रहे।

महाराष्ट्र में दही हांडी उत्सव में हुए हादसों में दो की मौत, 200 से ज्यादा घायल

मुंबई (एजेंसी)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव धूमधाम से मनाया। मथुरा और वृंदावन से लेकर देश के कोने-कोने में मंदिरों को सजाया गया और रात 12 बजे श्रीकृष्ण की आरती के साथ उनका जन्मोत्सव मनाया। महाराष्ट्र में जन्माष्टमी पर हुए दही हांडी उत्सव के दौरान अलग-अलग हादसों में दो लोगों की मौत हो गई और 200 से ज्यादा घायल हुए हैं। महाराष्ट्र के मानखुर्द जगमोहन शिवकिरण चौधरी दही हांडी बांधते समय पहली मंजिल से गिर गए। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। वहीं, दूसरी घटना में 14 साल के नाबालिग लड़के की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक शनिवार रात तक 210 व्यक्तियों के घायल होने की सूचना मिली, जिनमें से 68 का इलाज चल रहा है और 142 को डिस्चार्ज कर दिया गया है। सेंट्रल मुंबई के अस्पतालों में 91 घायल दर्ज किए गए, जिनमें से 60 का इलाज जारी है और 31 को छुट्टी दे दी गई। पूर्वी उपनगरों में 45 और पश्चिमी उपनगरों में 74 लोग घायल हुए हैं। अस्पतालों से मिली जानकारी के मुताबिक घायल लोगों का डॉक्टरों की निगरानी में इलाज जारी है। बता दें हर साल जन्माष्टमी पर मुंबई में जगह-जगह पर दही हांडी उत्सव का आयोजन किया जाता है, जिसमें भारी संख्या में गोविंदा भाग लेते हैं।

कटुआ में तबाही के बाद बचाव और राहत कार्यो की एलजी ने गृहमंत्री को दी जानकारी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने कटुआ जिले में भूस्खलन में कई लोगों की मौतों पर रविवार को दुख जताते हुए कहा कि गृह मंत्री अमित शाह को बचाव एवं राहत कार्यों की जानकारी दे दी गई है। एलजी सिन्हा ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि कटुआ के कई इलाकों में बारिश के कारण हुए विनाशकारी भूस्खलन में लोगों की मौत से बहुत दुखी हूं। यह त्रासदी दिल दहला देने वाली है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एलजी सिन्हा ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस और प्रशासन के बचाव एवं राहत अभियानों की जानकारी दी है। बता दें रविवार तड़के कटुआ जिले में बादल फटने और भूस्खलन की दो अलग-अलग घटनाओं में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और पांच घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि मैंने प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में बचाव और सहायता प्रयासों में समन्वय करने का निर्देश दिया है और मौके पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने को भी कहा है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं और मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

डिलीवरी बॉय ने बजाई बार-बार बेल, नाराज शख्स ने एयर गन से कर दिया फायर

मुंबई (एजेंसी)। लोअर परेल इलाके से एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां एक 35 वर्षीय शख्स ने दवाइयां पहुंचाने आए डिलीवरी बॉय पर गुस्से में एयर गन से फायरिंग कर दी। वजह सिर्फ इतनी थी कि डिलीवरी बॉय ऑर्डर रिसीव न होने पर बार-बार डोरबेल बजा रहा था। पुलिस के मुताबिक, शिकायतकर्ता ने बताया कि आरोपी सौरभ अविनाश कुमार सिंह, निवासी प्रकाश कॉटन बिल्डिंग, शंकरराव नारम पथ, लोअर परेल, ने फोन पर दवाइयां मंगवाई थीं। जब डिलीवरी बॉय ऑर्डर लेकर पहुंचा तो आरोपी बाहर नहीं आया। इस पर डिलीवरी बॉय ने कई बार बेल बजाई। इससे गुस्साए आरोपी ने अपनी एयर गन से हवा में फायरिंग कर दी। सूचना पर पहुंची एनएम जोशी मार्ग पुलिस ने आरोपी को पूछताछ के लिए थाने ले गई। आरोपी ने स्वीकार किया कि वह बार-बार बेल बजाने से चिढ़ गया था और गुस्से में गोली चला दी। इसी के साथ ही पुलिस ने बताया कि घटना में कोई घायल नहीं हुआ। फिलहाल मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

बिहार में पड़ोसी ने 4 साल के मासूम का चाकू से काट दिया प्राइवेट पार्ट

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां चार वर्षीय एक बच्चे के पड़ोसी ने उसका गुप्तांग काट दिया। फिलहाल बच्चे का पीएमसीएच में इलाज जारी है। पुलिस ने बताया कि यह घटना शहर के गौरीचक इलाके में हुई और बच्चे की हालत गंभीर है। उप-विभागीय पुलिस अधिकारी (सदर-2) ने कहा, पीड़ित के परिवार के सदस्यों ने शिकायत दर्ज कराई है कि यह घटना एक मामूली मुद्दे के कारण हुई। लड़के को पटना मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पु?लिस अ?धिकारी के अनुसार मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि आरोपी दंपति फरार है और उनकी तलाश जारी है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि बच्चा पिछले 5 महीने से अपने नानी के यहां रह रहा था। वहीं 14 अगस्त को बच्चा स्कूल से आने के बाद दरवाजे के पास खेल रहा था। इसी बीच पड़ोस का गुड्डू उसे बहला फुसलाकर साथ लेकर चला गया। बच्चे के मुताबिक, पहले उसने गर्दन पर चाकू भिड़ाया। फिर गर्दन छोड़कर नीचे का प्राइवेट पार्ट काट दिया। वहीं लहूलुहान स्थिति में बच्चा जब नानी के घर आया तो परिजनों ने उसे इलाज के लिए पीएमसीएच में भर्ती कराया। घटना को अंजाम देने के बाद से आरोपी फरार है। अभियुक्त गुड्डू और उनकी पत्नी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

पुजारी ने आश्रम में किया महिला से दुष्कर्म, पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

ढेंकनाल (एजेंसी)। ओडिशा पुलिस ने ढेंकनाल जिले के एक आश्रम के मुख्य पुजारी को महिला से दुष्कर्म करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना माताकरगोला आश्रम की है। पीड़िता उसी आश्रम में ही रहती थी। पुलिस ने बताया कि महिला ने शिकायत में आरोप लगाया है कि 4 अगस्त को जब वह आश्रम परिसर के कमरे में सो रही थी तभी मुख्य पुजारी वहां आया और उससे जबरन दुष्कर्म किया। जब महिला ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ दुर्व्यवहार भी किया। ढेंकनाल जिले के अतिरिक्त एसपी सूर्यमणि प्रधान ने बताया कि मुख्य पुजारी को दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार कर शनिवार को कोर्ट में पेश किया गया।

चोरी पकड़ी गई तो चुनाव आयोग सियासी दलों पर ही दोष मढ़ रहा

-आप नेता ने किया पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय चुनाव आयोग ने रविवार को कहा कि वह किसी के साथ भेदभाव नहीं करता है, इस पर आम आदमी पार्टी ने पलटवार करते हुए कह दिया कि जब चोरी पकड़ी गई तो सियासी दलों पर दोष मढ़ने लगे हैं।

दरअसल रविवार को चुनाव आयोग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा, कि वह बिना किसी भेदभाव के हर वर्ग, गरीब-अमीर, महिला, बुजुर्ग और युवा मतदाताओं के साथ मजबूती से खड़ा था, है और आगे भी खड़ा रहेगा। आयोग ने कहा उसके लिए सभी बराबर है, फिर चाहे विपक्ष में कोई हो या सत्ता पक्ष में। इसी के साथ चुनाव आयोग ने वोट चोरी मामले पर सख्त रुख दिखाया है। इस पर आप नेता अनुराग ढांडा ने कहा, कि चुनाव आयोग अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए अब राजनीतिक दलों पर दोष मढ़ रहा है। आयोग की चोरी पकड़ी गई है और अब वह शर्मिंदगी महसूस कर रहा है। आप नेता ढांडा ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग और बीजेपी की मिलीभगत अब जगजाहिर हो चुकी है। उन्होंने दावा किया कि पिछली वोटर लिस्ट की खामियों को जब राजनीतिक दलों ने उजागर किया, तो चुनाव आयोग ने उल्टा यह जिम्मेदारी दलों पर डाल दी। आप नेता ने कहा, कि चुनाव आयोग का काम निष्पक्ष चुनाव कराना और वोटर लिस्ट को शुद्ध करना है, लेकिन वह इसमें पूरी तरह नाकाम साबित हुआ है।

दिल्ली चुनाव का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, कि वोट चोरी करके बीजेपी ने चुनाव जीता। हमने बार-बार शिकायत की कि फर्जी वोट जोड़े जा रहे हैं और असली वोट काटे जा रहे हैं, लेकिन आयोग ने कोई सुनवाई नहीं की। इससे साफ है कि बीजेपी और चुनाव आयोग की मिलीभगत ने लोकतंत्र को कमजोर किया है।

अनुराग ढांडा ने प्रधानमंत्री मोदी की रैलियों पर भी सवाल उठाए और कहा कि जनता ने समर्थन नहीं दिया, इसलिए बीजेपी ने वोट चोरी का सहारा लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी शिक्षकों और एमसीडी कर्मचारियों को रैलियों में भीड़ जुटाने के लिए इस्तेमाल कर रही है। इस विवाद के बाद चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं, जबकि आयोग

लगातार यह दोहराता रहा है कि उसका काम केवल पारदर्शी और स्वतंत्र चुनाव कराना है।

200 अवॉर्ड्स जीतने वाली मशहूर अदाकारा ने दुनिया को कहा अलविदा

मुंबई(एजेंसी)। मराठी फिल्मों और टेलीविज़न की दिग्गज अदाकारा ज्योति चंदेकर अब हमारे बीच नहीं रहीं। 69 साल की उम्र में उन्होंने पुणे के एक अस्पताल में आखिरी सांस ली। अपने अभिनय के लिए उन्हें अब तक 200 से ज्यादा अवॉर्ड्स मिल चुके थे, जो यह दर्शाता है कि वे सिर्फ एक कलाकार नहीं, बल्कि अभिनय की एक जीवंत पाठशाला थीं। हर भूमिका को वे इस तरह निभाती थीं जैसे वो उनका अपना ही जीवन हो। टीवी सीरियल 'थरल तार मैग' में निभाया गया उनका किरदार 'पूर्णा आजी' इतना लोकप्रिय हुआ कि वे मराठी दर्शकों के दिलों में बस गईं। उनकी संवाद अदायगी, भाव-भंगिमा और किरदार में गहराई ने उन्हें एक घरेलू नाम बना दिया। लोग उन्हें परदे पर देखकर अपनी ही दादी या मां जैसा महसूस करने लगे थे। बीते कुछ दिनों से उनकी तबीयत ठीक नहीं थी और इलाज चल रहा था। उनके निधन की खबर से मराठी इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। फैंस, साथी कलाकार और चैनल्स सभी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर उन्हें श्रद्धांजलि दी है। ज्योति चंदेकर का अभिनय सफर बहुत ही कम उम्र में शुरू हुआ था। जब वे सिर्फ 12 साल की थीं, तभी से उन्होंने थिएटर करना शुरू कर दिया था। मंच से शुरू हुआ यह सफर धीरे-धीरे मराठी सिनेमा और टेलीविज़न की दुनिया तक पहुंचा और उन्होंने हर माध्यम में अपनी कला की छाप छोड़ी। कई मराठी फिल्मों में बेहद प्रभावशाली भूमिकाएं निभाईं। 'पौलाट', 'ढोलकी', 'सलाम', 'संजपर्व', 'आई गुरु', 'आई ढोलकी' और 'टीचा उम्बर्था' जैसी फिल्मों में उनका अभिनय आज भी दर्शकों की स्मृति में जीवंत है। उन्होंने मां, सास और बुजुर्ग महिलाओं जैसे किरदारों को ऐसा अपनापन दिया, जिससे हर पीढ़ी के लोग जुड़ गए। ज्योति चंदेकर के निधन से उनके चाहने वालों और मराठी इंडस्ट्री में एक खालीपन आ गया है। सोशल मीडिया पर लोग उनकी तस्वीरें और वीडियो शेयर कर उन्हें नम आंखों से याद कर रहे हैं। स्टार प्रवाह चैनल ने भी उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी है। उनके जाने से मराठी कला-जगत ने एक अनमोल रत्न खो दिया है।

जिन्ना के नाम पर भड़के ओवैसी बोले- जो वफादार थे, वे भारत में ठहर गए...

हैदराबाद (एजेंसी)। एनसीईआरटी के नए मॉड्यूल में बंटवारे के लिए कांग्रेस और जिन्ना को जिम्मेदार ठहराया गया तो इसको लेकर सियासत तेज हो गई है। इस पर एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि आखिर बंटवारे के लिए किसी विशेष वर्ग को कैसे जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। मॉड्यूल में कहा गया है कि बंटवारे के लिए प्रमुख तीन कारण जिम्मेदार थे। पहले थे जिन्ना, जो कि मुस्लिमों के लिए अलग देश की मांग कर रहे थे। दूसरी थी कांग्रेस जिसने जिन्ना की मांग को स्वीकार किया और तीसरा माउंटबेटन जिन्होंने इसे अमली जामा पहना दिया। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, एनसीईआरटी को अगर बंटवारे के बारे में पढ़ाना ही है तो शम्सुल इस्लाम की मुस्लिम अगेंस्ट पार्टीशन किताब सिलेबस में शामिल की जानी चाहिए। इसी तरह झूठ को फैलने से रोका जा सकता है। ओवैसी ने कहा कि बंटवारे के लिए आखिर मुसलमान कैसे जिम्मेदार हो सकते हैं? जो लोग भाग गए वे तो भाग ही गए और जो वफादार थे, वे ठहर गए।

भाजपा को हराने हिंदू-मुस्लिम एकजुट हों : प्रशांत किशोर

-जन सुराज पार्टी के संस्थापक हिंदू-मुस्लिम गठबंधन पर कर रहे विचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा के खिलाफ एक हिंदू-मुस्लिम गठबंधन बनाने का संकेत दिया है। उन्होंने पार्टी से जुड़े मुस्लिम नेताओं के साथ बैठक के बाद कहा, कि उनकी कोशिश महात्मा गांधी और बाबासाहेब आंबेडकर की विचारधारा में विश्वास रखने वाले हिंदू और मुसलमानों के बीच एक वैचारिक गठबंधन बनाने की है।

बैठक में पीके ने कहा, कि सभी हिंदू भाजपा का समर्थन नहीं करते। यह कहना भी गलत होगा कि अधिकांश हिंदू भाजपा के साथ हैं। यदि गांधी और आंबेडकर की विचारधारा में आस्था रखने वाले हिंदू और मुसलमान एकजुट हों, तो भाजपा को आसानी से हराया जा सकता है। गौरतलब है कि प्रशांत किशोर पहले ही ऐलान कर चुके हैं कि उनकी पार्टी 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा चुनाव में 40 मुस्लिम प्रत्याशी उतारेगी। इस फैसले से राजद-कांग्रेस-वाम गठबंधन में नाराजगी है, क्योंकि ये दल पारंपरिक रूप से अल्पसंख्यक वोटों पर निर्भर रहे हैं। यहां बताते चलें कि प्रशांत किशोर राष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनाव अभियानों के सफल प्रबंधन के लिए जाने जाते रहे हैं। लेकिन अब वे खुद की पार्टी जन सुराज के जरिए बिहार की राजनीति में सीधा दांव लगाने की तैयारी में हैं।

यूट्यूबर एल्विश यादव के घर फायरिंग की भाऊ गैंग ने ली जिम्मेदारी

कहा- एल्विश ने सट्टे का प्रमोशन कर बहुत से घर किए बर्बाद

पटना (एजेंसी)। गुरुग्राम,(ईएमएस)। यूट्यूबर एल्विश यादव के घर फायरिंग करने वाली गैंग अब खुद सामने आ गई है, जिसने एल्विश के घर गोलियां चलवाईं। गुरुग्राम स्थित एल्विश के घर पर गोलियां चलवाने की जिम्मेदारी हिमांशु भाऊ गैंग ने ली है। अमेरिका में मौजूद हिमांशु भाऊ गैंग ने बताया है कि उसके लोगों ने ही फायरिंग की। बता दें यह वही हिमांशु भाऊ गैंग है, जिसने एल्विश के दोस्त राहुल फाजिलपुरिया के ऊपर फायरिंग करवाई थी और उसके फाइनेंसर की हत्या की जिम्मेदारी भी ली थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रविवार सुबह करीब 5.30 बजे यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी विनर एल्विश यादव के गुरुग्राम के सेक्टर 56 में स्थित उनके घर पर फायरिंग हुई, जब तीन अज्ञात लोग बाइक पर आए और 20 से 25 राउंड गोलियां चलाईं। जब यह फायरिंग हुई, उस समय एल्विश घर पर नहीं थे। उनके मम्मी-पापा और केयर टेकर घर पर थे।

रिपोर्ट के मुताबिक अब इस फायरिंग की जिम्मेदारी अमेरिका में छिपे हिमांशु भाऊ गैंग ने ली है। गैंग ने अपने पोस्ट की शुरुआत जय भोले और राम-राम भाई से की है। पोस्ट में लिखा है कि एल्विश यादव के घर जो गोली चली है, वह गैंग ने नीरज फरीदपुर और भाऊ रितोलिया से चलवाई है। गैंग ने गोली चलाकर एल्विश को अपना परिचय दिया है। गैंग का कहना है कि एल्विश ने सट्टे का प्रमोशन करके बहुत घर बर्बाद किए हैं। इसलिए उनके घर पर फायरिंग की गई है। इसके साथ ही गैंग ने अन्य सोशल मीडिया दिग्गजों को चेतावनी दी है कि जो भी सट्टे का प्रमोशन करेगा, उस पर भी गोली चल सकती है।

बता दें जब फायरिंग हुई तब एल्विश यादव घर पर नहीं थे। वह हरियाणा से बाहर किसी काम के सिलसिले में गए हैं। इस घटना में किसी के भी घायल होने की सूचना नहीं है। भाऊ गैंग के फायरिंग की जिम्मेदारी लिए जाने पर एल्विश यादव के पिता ने कहा कि मुझे अभी इस बारे में पता नहीं है। उन्होंने सुरक्षा की मांग की है। पुलिस के मुताबिक हमलावरों ने फायरिंग घर के ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर पर की। एल्विश यादव का परिवार दूसरे और तीसरे फ्लोर पर रहता है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। पुलिस की फॉरेंसिक टीम ने घर का मुआयना किया है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके।

बता दें एल्विश यादव से पहले बॉलीवुड सिंगर राहुल फाजिलपुरिया पर भी गुरुग्राम में ताबड़तोड़ फायरिंग का मामला सामने आया था। एल्विश और फाजिलपुरिया दोनों दोस्त हैं। हमला बादशाहपुर थाने के अंतर्गत एसपीआर रोड पर हुआ था। बताया जा रहा है कि फायरिंग में वह सुरक्षित निकलने में कामयाब रहे थे। करीब एक महीने के भीतर इस तरह की दूसरी घटना ने गुरुग्राम में लोगों में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है।

एल्विश यादव अक्सर सुर्खियों में बने रहते हैं। बीते साल उन पर सांप के जहर की अवैध सप्लाई और रेव पार्टियों में इसके इस्तेमाल से जुड़ा गंभीर मामला सामने आया था। इस मामले में उन्हें गिरफ्तार भी किया गया था। उन पर आरोप था कि एल्विश कुछ निजी पार्टियों में प्रतिबंधित जहरीले पदार्थों का इंतजाम करते थे, जिनमें सांप का जहर शामिल था। एल्विश ने इन सभी आरोपों को गलत और बेबुनियाद बताया था। यह मामला अभी भी कोर्ट में चल रहा है और जांच एजेंसियां इस मामले की जांच कर रही हैं।

अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के पदाधिकारियों ने की महाआरती

चंदौसी/संभल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन युवा इकाई चंदौसी संभल द्वारा शनिवार को नगर में आयोजित श्री कृष्ण जन्माष्टमी शोभायात्रा में संगठन के पदाधिकारियों द्वारा श्री कृष्ण भगवान के मनमोहक रथ की महा आरती की गई। शोभायात्रा में शामिल कृष्णमयी भक्तों का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के युवा नगर अध्यक्ष तुषार क्रिस्टल ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कृष्ण जन्मोत्सव के अवसर पर मिनी वृंदावन नगरी प्रभु श्री कृष्ण के रंग में रंगी होती है जन्माष्टमी हिंदूओं का एक प्रमुख व्रत व त्योहार है जो भगवान विष्णु के आठवें अवतार, भगवान श्री कृष्ण के जन्म में मनाया जाता है इस अवसर पर संगठन के वैश्य शिरोमणि गिरीश रतन, अन्नू रतन, शिखर गोयल, अमित वार्ष्णेय(डी आर),

क्षितिज गुप्ता, अनुज वार्ष्णेय, महामंत्री आलोक वार्ष्णेय, उपाध्यक्ष प्रथम गोयल, कोषाध्यक्ष देव चौधरी, विमल वार्ष्णेय, लवित वार्ष्णेय, अनमोल अग्रवाल, ध्रुव अग्रवाल, विवेक चौधरी, आकाश वार्ष्णेय, अंश गोयल आदि उपस्थित रहे।

देश में अघोषित आपातकाल चल रहा, हम वोट के अधिकार को बचाने लड़ रहे: लालू

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख और बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव ने सासाराम से शुरू होने वाली वोटर अधिकार यात्रा को लेकर कहा कि हम लोगों के वोट के अधिकारों को बचाने के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं और वहीं बीजेपी और चुनाव आयोग एसआईआर के जरिए लोगों को वोट के अधिकार से वंचित करने का षडयंत्र रच रहे हैं। हम उसे सफल नहीं होने देंगे। उन्होंने दावा किया कि देश की वर्तमान स्थिति आपातकाल से भी बदतर है। देश में अघोषित आपातकाल चल रहा है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी, तेजस्वी यादव समेत महागठबंधन के तमाम नेता यात्रा में शामिल हो रहे हैं। हम ये लड़ाई लड़ रहे हैं और जीतेंगे। राजद नेता तेजस्वी यादव ने वोटर अधिकार यात्रा को लेकर कहा कि लोकतंत्र और संविधान खतरे में है, इसकी रक्षा के लिए यह यात्रा निकाली जा रही है। यह यात्रा मतदाताओं के संवैधानिक अधिकारों, विशेषकर एक व्यक्ति, एक वोट के सिद्धांत को बचाने का दायित्व निभाने के लिए है।

तेजस्वी ने दावा किया कि बीजेपी संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने और मतदाता सूची में गड़बड़ी के जरिए वोटिंग अधिकार छीनने का प्रयास कर रही है। बिहार लोकतंत्र की जननी है, यहां से लोकतंत्र को खत्म नहीं होने दिया जाएगा और वोट की डकैती को रोका जाएगा। कुछ लोगों को जीवित होते हुए भी मतदाता सूची में मृत घोषित किया जा रहा है, जो वोटिंग अधिकारों पर हमला है। तेजस्वी के मुताबिक बीजेपी की तानाशाही को बिहार की जनता समझ चुकी है और हमारी यात्रा को जनता का प्यार व समर्थन मिलेगा।

चुनाव आयोग की प्रेस वार्ता पर तेजस्वी ने कहा कि वार्ता के बाद जवाब दिया जाएगा, लेकिन आयोग को सुप्रीम कोर्ट से पहले ही करारा जवाब मिल चुका है। बीजेपी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वे तानाशाही कर सकते हैं और किसी को भी जेल भेज सकते हैं, लेकिन जेल जाने से हम नहीं डरते हैं।

हिमाचल में बारिश से भारी तबाही का दौर जारी, अब तक 257 लोगों की हो चुकी हैं मौतें

मंडी (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में बारिश से भारी तबाही का दौर जारी है, बुनियादी ढांचे को व्यापक नुकसान पहुंचा है और मृतकों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। शनिवार सुबह तक हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एचपीएसडीएमए) ने बताया कि राज्य भर में 374 सड़कें, 524 बिजली ट्रांसफार्मर और 145 जलापूर्ति योजनाएं बाधित हो गई हैं। एक विज्ञप्ति के मुताबिक प्राधिकरण ने बताया कि दो राष्ट्रीय राजमार्ग, एनएच-305 और एनएच-05, अवरुद्ध मार्गों में शामिल हैं, जहां भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ के कारण, विशेष रूप से मंडी, कुल्लू और किन्नौर जिलों से संपर्क बाधित हो रहा है। पुनर्निर्माण कार्य चल रहा है, लेकिन अधिकारियों ने कहा कि लगातार बारिश और भूस्खलन से प्रगति धीमी हो रही है।

बता दें इस मानसून में 20 जून से अब

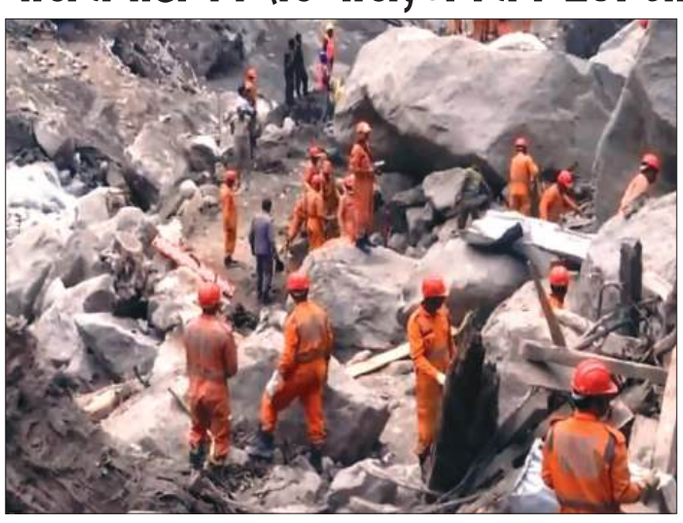

तक कुल 257 लोगों की मौत हो चुकी है। एचपीएसडीएमए ने कहा कि इनमें से 133 लोगों की जान भूस्खलन, बाढ़ और मकान ढहने के कारण हुई है, जबकि 124 लोगों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में हुई। मंडी जिले में सबसे ज्यादा व्यवधान की सूचना मिली, जहां 203 सड़कें अवरुद्ध हैं और 458 ट्रांसफार्मर काम नहीं कर रहे हैं, इसके बाद कुल्लू है, जहां 79 सड़कें बंद हैं, जिसमें एक बड़े भूस्खलन के कारण झेड़ में एनएच-305 भी शामिल है। चंबा (24), कांगड़ा (41), और मंडी (44) में जलापूर्ति योजनाएं भी प्रभावित हुई हैं।

किन्नौर में भारी बारिश के बाद एनएच-05 समेत छह सड़कें अवरुद्ध हो गईं, जबकि कुल्लू और लाहौल-स्पीति में अचानक बाढ़ और एचटी लाइन की खराबी से व्यापक व्यवधान की सूचना मिली। अधिकारियों ने आगाह किया कि आने वाले दिनों में रुक-रुक कर होने वाली बारिश से स्थिति और खराब हो सकती है और लोगों से यात्रा करने से बचने की अपील की गई है।

दलित अधिकारी को नहीं मिली कुर्सी-टेबल, जमीन पर चटाई बिछा कर रहे काम

ग्वालियर (एजेंसी)। आजाद भारत में बराबरी और संवैधानिक अधिकारों की बातें अक्सर की जाती हैं, लेकिन ग्वालियर से आई एक तस्वीर इन दावों पर सवाल खड़े कर रही है। मध्यप्रदेश भवन विकास निगम के सहायक महाप्रबंधक सतीश डोंगरे पिछले एक साल से अपने ही दफ्तर में जमीन पर चटाई बिछाकर बैठते हैं और सरकारी काम-काज निपटाने को मजबूर हैं। इसका मुख्य कारण उन्हें अब तक टेबल-कुर्सी उपलब्ध नहीं कराई गई है। आरोप है कि यह सब जातिगत भेदभाव की वजह से हो रहा है। उक्त सहायक अधिकारी भी अपमान का घूंट पीने और काम करने की बात कहते हैं। वैसे आपको बतलाते चलें कि विकास निगम का यह दफ्तर किराए के भवन में चल रहा है। यहां बाकी अधिकारियों को बकायदा चैंबर और फर्नीचर की सुविधा उपलब्ध है, लेकिन सहायक महाप्रबंधक अधिकारी डोंगरे रोजाना चटाई बिछाकर जमीन पर बैठते हैं और विभागीय फाइलों का काम निपटाते हैं। इस मामले में मीडिया से बात करते हुए डोंगरे ने दर्द बयां किया, उन्होंने कहा, कि संबंधितों से मैंने कई बार कुर्सी और टेबल की मांग की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। एक साल से लगातार अपमान झेल रहा हूं। इस मामले पर निगम के अतिरिक्त महाप्रबंधक अच्छेलाल अहिरवार का कहना था, कि भोपाल मुख्यालय को डिमांड भेजी गई है। जब फंड आएगा तभी फर्नीचर उपलब्ध कराया जाएगा। इस प्रकार के बयानों के बाद आम इंसान के मस्तिष्क में सवाल उठ रहा कि आखिर क्योंकर एक साल गुजर जाने के बाद भी टेबल-कुर्सी की व्यवस्था नहीं हो सकी, जबकि करोड़ों रुपये के प्रोजेक्ट्स पर फौरन खर्च हो जाता है।

उफनती सोम नदी से चिंतपुर गांव के लोगों की उड़ी नींद, घरों में घुसा पानी, सताने लगा डर

यमुनानगर : पहाड़ी इलाकों में हो रही जोरदार बारिश से मैदानी इलाके काफी प्रभावित दिख रहे हैं। सोम नदी के उफान पर आने से यमुनानगर जिले के चिंतपुर गांव में पानी घुस गया है। सड़कें पूरी तरह से जलमग्न हो गई हैं। गलियों का पानी घरों के अंदर घुस गया है। घरों के बाहर खड़ी जेसीबी, मंदिर के अंदर रखा बेंच और गली में रखी पानी की टंकी पूरी तरह से डूब गई। बताया जा रहा है कि गांव में हालात ऐसे भयावह हो गए हैं कि पानी को रोकने के लिए लोगों ने घरों के दरवाजों पर सीमेंट के बड़े-बड़े ब्लॉक लगा दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि देर रात से हो रही बारिश की वजह से हमारे गांव में पानी घुस गया है। उन्होंने बताया कि हम घर से पानी निकालें या फिर खाना बनाएं। पानी के इस विकराल रूप को देखकर ग्रामीणों ने प्रशासन को कोसा। उन्होंने कहा कि हर बार हम इस इलाके के हालात ऐसे होते हैं लेकिन प्रशासन सिर्फ काम के नाम पर खानापूर्ति करता है। उनकी लापरवाही का खामियाजा हमें बहुत इतना पड़ता है।

यात्रियों को राहत! हरियाणा के इस जिले को मिली 5 एसी बसें

शहर के लोगों के लिए खुशखबरी है। जींद डिपो को पांच नई एसी बसें मिली हैं। इन बसों को जींद से चंडीगढ़ और गुरुग्राम रूट पर चलाया जाएगा। बसों का किराया भी निर्धारित कर दिया गया है। शनिवार को डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने

जींदः शहर के लोगों के लिए खुशखबरी है। जींद डिपो को पांच नई एसी बसें मिली हैं। इन बसों को जींद से चंडीगढ़ और गुरुग्राम रूट पर चलाया जाएगा। बसों का किराया भी निर्धारित कर दिया गया है। शनिवार को डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने इन बसों को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। पांच में से तीन बस चंडीगढ़ और दो बस गुरुग्राम के लिए भेजी गई। पहले दिन हर बस में 20 से 25 यात्रियों ने सफर किया।

जींद डिपो में लगभग 170 साधारण बसें हैं। इनमें एक भी एसी बस नहीं थी। यात्रियों द्वारा लंबे रूटों पर एसी बसों की डिमांड की जा रही थी। जींद से चंडीगढ़, दिल्ली, गुरुग्राम के अलावा हरिद्वार, रिषिकेश, देहरादून, पावंटा साहिब, सालासर, बालाजी, अमृतसर और लुधियाना जैसे लंबे रूटों पर भी साधारण बसें ही जा रही हैं। इन रूटों पर यात्रियों के लिए गर्मी के मौसम में एसी बस की जरूरत महसूस की जा रही थी। जींद डिपो प्रबंधन ने भी एसी बसों की डिमांड मुख्यालय भेजी हुई थी। प्रदेश के लगभग सभी डिपो में एसी बसें आ चुकी हैं लेकिन जींद डिपो को अभी तक इन बसों की सुविधा नहीं मिल पाई थी। 15 अगस्त को डिपो के बेड़े में पांच एसी बस मुख्यालय द्वारा भेजी गई हैं। शनिवार को पांचों बस डिप्टी स्पीकर द्वारा हरी झंडी दिखा कर रवाना की गई। एसी बस चलने से यात्रियों को राहत मिलेगी। इस दौरान रोडवेज महाप्रबंधक राहुल जैन, डीआई जसमेर, स्टेनो डीडी शर्मा, अनूप लाठर, संदीप रंगा, राजेश चोपड़ा, सुदीपए अमरजीत और सुरेंद्र भी मौजूद रहे। जींद डिपो को जो पांच एसी बसें मिली हैं, जो जींद से चंडीगढ़ व गुरुग्राम रूट पर चलेंगी। जींद से गुरुग्राम साधारण रोडवेज बस में किराया 160 रुपये है तो वहीं एसी बस में 250 रुपये किराया देना होगा। जींद से चंडीगढ़ का साधारण बस का किराया 245 रुपये है जबकि एसी बस में यात्री को 340 रुपये किराया देना होगा इसी रूट पर जींद से नगूरां के साधारण बस में 25 रुपये लगते हैं लेकिन एसी बस में सफ र करना है तो 40 रुपये देने होंगे। इसी तरह जींद से कैथल के साधारण बस में 65 रुपये लगते हैं लेकिन एसी बस में 105 रुपये लगेंगे। जींद से रोहतक के लिए 115 रुपये किराया लगेगा। पहली बस सुबह सात बजे रोहतक जाएगी जो वापसी में जींद आकर दस बजकर 50 मिनट पर चंडीगढ़ के लिए रवाना होगी। दूसरी बस आठ बजे रोहतक जाएगी। जो वापसी जींद आकर दोपहर 12 बजे चंडीगढ़ के लिए रवाना होगी। वहीं सुबह सात बजकर 50 मिनट पर गुरुग्राम के लिए बस जाएगी, जो वापसी में कैथल जाएगी। फिर कैथल से जींद वापस पहुंचेगी। वहीं आठ बजे बस कैथल जाएगी। कैथल से बस गुरुग्राम के लिए रवाना होगी जो वापसी में जींद आएगी। इसके बाद दोपहर दो बजकर 20 मिनट पर जींद से सीधी चंडीगढ़ के लिए बस जाएगी, जो जींद-चंडीगढ़ रूट पर अपडाउन करेगी।

यमुनानगर के इस गांव का डैम टूटा, ज्यादा बरसात से मची त्राहि-त्राहि...ग्रामीण बोले- घटिया सामग्री का इस्तेमाल

यमुनानगरः यमुनानगर में सुबह से जमकर बरसात हो रही है। साथ लगते हिमाचल के पहाड़ी इलाकों में भी लैंडस्लाइड, बादल फटने और भारी बरसात होने से त्राहि-त्राहि मची हुई है। इसी कड़ी में पानीवाला गांव में स्थित वन विभाग का सैकड़ों एकड़ का डैम भी पानी की भेंट चढ़ गया। इसके टूटने पर ग्रामीण वन विभाग पर लापरवाही के आरोप लगा रहे हैं। उन्होने बताया कि इसकी सुरक्षा के लिए वन विभाग नहीं बल्कि ग्रामीणों ने प्रशासन व सरकार से गुहार लगाई तब जाकर सबीलवा बनाने का काम किया गया।

लेकिन काम में घटिया सामग्री इस्तेमाल होने व यहां तैनात वन रक्षक विशाल राणा की लापरवाही के चलते

सबीलवा पानी की भेंट चढ़ गया। उन्होने बताया कि सैकड़ों एकड़ फसलें पानी में चली गई हैं। इस

यमुनानगर में सुबह से जमकर बरसात हो रही है। साथ लगते हिमाचल के पहाड़ी इलाकों में भी लैंडस्लाइड, बादल फटने और भारी बरसात होने से त्राहि-त्राहि मची हुई है

सबका जिम्मेवार वन विभाग है।वहीं मौके का मुआयना करने आए रेवन्यू डिपार्टमेंट के अधिकारी ने बताया कि यहां गांव की आबादी को तो कोई नुकसान नहीं हुआ है लेकिन फसलें कई एकड़ बर्बाद हो गई हैं।

सरकार पर गरजे दीपेंद्र हुड्डा, बोले- हरियाणा में कानून व्यवस्था पूरी तरह चौपट

करनालः कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा करनाल पहुंचे, जहां उन्होंने गुरुग्राम में यूट्यूबर एल्विश यादव के घर पर हुई फायरिंग की घटना को लेकर हरियाणा की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा, "हरियाणा में कानून व्यवस्था पूरी तरह चौपट हो चुकी है। ये हम नहीं कह रहे, बल्कि खुद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का बयान इसकी पुष्टि करता है।" दीपेंद्र हुड्डा ने मुख्यमंत्री के हालिया बयान का हवाला देते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर भाजपा कार्यकताओं तक ने उनकी आलोचना की और कहा कि "नायब सिंह जी, कुछ ठोस करिए।" उन्होंने आगे कहा, "हरियाणा अब हरियाणा नहीं, बल्कि 'फिरौती प्रदेश' बन गया है। गृह मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि देश में अपराध के मामले में हरियाणा नंबर एक पर पहुंच गया है।" हुड्डा ने बताया कि खुद हरियाणा सरकार द्वारा गठित स्पेशल टास्क फोर्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य में 80 से ज्यादा गैंग सक्रिय हैं, जो खुलेआम फिरौती मांग रहे हैं। "कोई विदेश से तो कोई जेल से अपराध को अंजाम दे रहा है। पुलिस प्रशासन को न तो अपराधियों का डर है, न ही सरकार की कोई परवाह। उन्हें पता है सत्ता की डोर कहीं और दिल्ली से संचालित हो रही है।" भिवानी में शिक्षक की हत्या पर भी हुड्डा ने चिंता जताई और कहा, "पूरा प्रदेश इस घटना से स्तब्ध है और मांग कर रहा है कि पुलिस जल्द से जल्द आरोपियों को पकड़े। अपराधियों को कठोर से कठोर सजा दिलाई जाए और सरकार का दायित्व है कि कम से कम समय में न्याय सुनिश्चित हो।"

हथिनीकुंड बैराज पर यमुना का जलस्तर पहली बार 1 लाख क्यूसिक के पार, सभी फ्लड गेट खोले गए

यमुनानगर : यमुनानगर में स्थित हथिनीकुंड बैराज पर यमुना पिछले डेढ़ महीने से शांत दिखी। लेकिन आज पहाड़ी इलाकों में हुई भारी वर्षा के चलते यमुना उफान पर आई। और हथिनीकुंड बैराज के सभी 18 गेट सायरन बजाने के बाद खोल दिए गए। लोगों को चेतावनी दी गई है कि वह यमुना से दूर रहें ।अपने पशुओं को यमुना से दूर रखें। इस चेतावनी के बारे में सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने जिला प्रशासन को भी अवगत करा दिया है।

हथिनी कुंड बैराज से किया एक लाख 16 हजार पानी डिस्चार्ज

सिंचाई विभाग के सुप्रीटेंडेंट इंजीनियर आर एस मित्तल का कहना है कि पहाड़ी इलाकों में हो रही इस वर्ष के चलते हथिनी कुंड बैराज से एक लाख 16 हजार पानी डिस्चार्ज किया

गया है। उन्होंने कहा है कि इस सीजन में पहली बार बैराज के सभी 18 गेट खोले गए हैं। और नहरों को पानी की सप्लाई बंद कर दी गई है। अभी तक पूरे मानसून में एक बार भी बैराज से एक लाख क्यूसेक पानी डिस्चार्ज नहीं हुआ था। सिंचाई विभाग के सुपरिटेंडेंट इंजीनियर आर एस मित्तल ने बताया कि एक लाख क्यूसेक पानी आने के बाद उसे लो फ्लड बताया जाता है, जबकि डेढ़ लाख क्यूसेक पानी आने के बाद उसे मीडियम फ्लड और ढाई लाख क्यूसेक से अधिक पानी आने के बाद उसे हाई ब्लड बताया जाता है। पहाड़ी इलाकों में लगातार वर्षा हो रही है। यमुना के पानी में लगातार इजाफायमुना के पानी में लगातार इजाफा हो रहा है। देखना होगा यमुना में इस बार कितना क्यूसेक पानी आता है और दिल्ली को कितना नुकसान झेलना पड़ता है।फिलहाल यमुनानगर सिंचाई विभाग अधिकारी यमुना में अधिक पानी आने को लेकर जिला प्रशासन को अवगत करा रहे हैं। इसके साथ-साथ दिल्ली सरकार को भी अवगत कराया जा रहा है। यमुना के साथ लगते निचले इलाकों से दूर हटाने की चेतावनी भी दी जा रही है। यमुना में पानी का आंकड़ा आज सुबह यमुना में 10 बजे 74304 क्यूसेक पानी हुआ जो 11 बजे 81353 क्यूसेक,12 बजे 91985 क्यूसेक और फिर एक बजे एक लाख 16 हजार क्यूसेक तक पहुंच गया जिसके बाद नहरों की सप्लाई बंद कर के बैराज के गेट खोलने से पहले चेतावनी अलार्म बजाया गया।

श्यामूवाला डैम टूटने से काठगढ़ गांव में गिरा मकान, कई लाख का सामान पानी में बहा

यमुनानगर : यमुनानगर के काठगढ़ गांव में एक मकान पानी की भेंट चढ़ गया। मकान में रखा लाखों का सामान भी पानी में बह गया। गरीब परिवार प्रशासन से मदद की गुहार लगा रहा है।जानकारी के अनुसार यमुनानगर में चारों तरफ पानी की तबाही मची हुई है। सरस्वती उद्गम स्थल के नजदीक बसे काठगढ़ गांव में भी पानी से काफी नुकसान हुआ। गांव का एक घर धीरे-धीरे पानी की भेंट चढ रहा है। गरीब परिवार ने बमुश्किल पूंजी जमा कर आशिराना बनाया था जो श्यामूवाला डैम टूटने से गांव में आए पानी की भेंट चढ़ गया।इस नुकसान से परिवार बिलख-बिलख कर रो रहा है और प्रशासन से मदद की गुहार लगा रहा है। अभी तक प्रशासन ने परिवार की सुध नहीं ली है। ग्रामीण भी इस गरीब परिवार की मदद की गुहार लगा रहे हैं।

पति से फोन पर बात करने के बाद महिला ने उठाया खौफनाक कदम

चरखी दादरी : चरखी दादरी जिले के गांव मिसरी में महिला ने अपने मायके में जान दे दी। मृतका के पिता ने ससुराल पक्ष के लोगों पर परेशान करने के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने पति सहित तीन के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। बच्चे के सिर से उठा मां साया जानकारी के मुताबिक गांव मिसरी निवासी अंजू की शादी रेवाड़ी जिले के गोकलगढ़ निवासी के साथ हुई थी। अंजू नौकरी करती थी तथा वह ससुराल पक्ष के लोगों के साथ अनबन के चलते वहां नहीं जाती थी। शुक्रवार को उसने जहरीले पदार्थ खाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। परिजनों ने बताया कि शुक्रवार को फोन पर उसकी पति से बात हुई थी। उस दौरान उसने उसके साथ बुरा बरताव किया गया, जिससे आहत होकर अंजू ने जहरीला पदार्थ निगल लिया। परिजनों ने उसे दादरी में एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती करवाया जहां उपचार के दौरान शनिवार को उसकी मौत हो गई।अंजू का एक बेटा भी है। अंजू की मौत के बाद से उसके सिर से मां का साया उठ गया है।

मनीषा हत्याकांड को लेकर सड़कों पर उतरे सामाजिक संगठन, रोष मार्च निकाल उठाई ये मांग

चरखी दादरी : चरखी दादरी के सिंघानी में हुए लेडी टीचर मनीषा हत्याकांड को लेकर विभिन्न सामाजिक संगठनों ने दादरी में सड़कों पर उतरते हुए रोष प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने रोष मार्च निकालते हुए सरकार व पुलिस पर लापरवाही के आरोप लगाए। साथ ही कहा कि हत्यारों को जल्द पकड़ा जाए और दोषियों को फांसी हो। मामले में तुरंत कार्रवाई नहीं हुई तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। किसान नेता जगबीर घसोला व सामाजिक कार्यकर्ता कृष्ण फोगाट की अगुवाई में अनेक सामाजिक संगठनों के सदस्य दादरी के रोज गार्डन में एकजुट हुए। जहां उन्होंने मनीषा हत्याकांड को निंदनीय बताया और रोष मार्च निकालते हुए परशुराम चौक पहुंचे। उन्होंने सरकार व पुलिस प्रशासन के खिलाफ रोष जताते हुए कहा कि समय रहते पुलिस द्वारा कार्रवाई की जा सकती थी। बेटी को न्याय दिलाने के लिए वे सड़कों पर उतरे हैं। उन्होंने प्रशासन को चेताया कि यदि शीघ्र सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन और उग्र रूप ले सकता है। मनीषा के साथ हुआ अन्याय पूरे समाज के लिए चिंता का विषय है और जब तक दोषियों को पकड़कर फांसी की सजा नहीं मिलती, संघर्ष जारी रहेगा।

अमरीका में मरे संदीप को 12 दिन बाद गांव की मिट्टी हुई नसीब, 15 लाख रुपए खर्च कर घर आया बेटे का शव

जींद जिले के उचाना क्षेत्र के घोघडिड्डां गांव के संदीप की अमेरिका में झील में डूबने से चार अगस्त को मौत हो गई थी। करीब 12 दिन बाद शनिवार को संदीप का शव गांव में पहुंचा। सुबह नौ बजे के करीब मृतक के शव का अंतिम संस्कार

जींदः जींद जिले के उचाना क्षेत्र के घोघडिड्डां गांव के संदीप की अमेरिका में झील में डूबने से चार अगस्त को मौत हो गई थी। करीब 12 दिन बाद शनिवार को संदीप का शव गांव में पहुंचा। सुबह नौ बजे के करीब मृतक के शव का अंतिम संस्कार किया गया। उनके अंतिम संस्कार में पूरा गांव उमड़ा हुआ था। मृतक के परिवार का रो-रोकर बुरा हाल था। मृतक के शव को वापस लाने में 15 लाख रुपये के करीब खर्च हुआ। गौरतलब है कि जींद जिले के उचाना क्षेत्र के घोघडिड्डां गांव का 37 वर्षीय संदीप बूरा तीन साल पहले 60 लाख रुपए खर्च कर डोंकी रास्ते अमेरिका गया था। पांच से छह महीने तक संदीप पनामा के जंगलों में रहा। इस दौरान भूखा-प्यासा रहा। काफी संघर्ष के बाद संदीप मेक्सिको की दीवार कूदने के बाद अमेरिका की तरफ गया और आर्मी के कैंप में रहा। वहां से बाहर निकल कर फाइल लगवाई। एक साल तक संदीप को अंडरग्राउंड रहना पड़ा।

फाइल की प्रोसेसिंग के बाद संदीप ने काम शुरू किया और ट्रक ड्राइवरी के लिए ट्रेनिंग लेने लगा। संदीप के छोटे भाई प्रदीप ने बताया कि संदीप बूरा फिलहाल फ्रेसनो शहर में रह रहा था। गत चार अगस्त की शाम संदीप अपने दोस्तों के साथ किंग रीवर झील में नहाने गया था। झील में नहाते समय संदीप लहरों के बीच फंस गया और डूब गया। संदीप की मौत के बाद उसके शव को इंडिया लाने की प्रक्रिया शुरू की गई। 12वें दिन जाकर संदीप के शव को गांव की मिट्टी नसीब हो पाई है। परिजनों के अनुसार मृतक के शव को वापस लाने पर 15 लाख रुपए के करीब खर्च आया है।

श्यामूवाला डैम टूटने से काठगढ़ गांव में गिरा मकान, कई लाख का सामान पानी में बहा

यमुनानगर : यमुनानगर के काठगढ़ गांव में एक मकान पानी की भेंट चढ़ गया। मकान में रखा लाखों का सामान भी पानी में बह गया। गरीब परिवार प्रशासन से मदद की गुहार लगा रहा है।जानकारी के अनुसार यमुनानगर में चारों तरफ पानी की तबाही मची हुई है। सरस्वती उद्गम स्थल के नजदीक बसे काठगढ़ गांव में भी पानी से काफी नुकसान हुआ। गांव का एक घर धीरे-धीरे पानी की भेंट चढ रहा है। गरीब परिवार ने बमुश्किल पूंजी जमा कर आशिराना बनाया था जो श्यामूवाला डैम टूटने से गांव में आए पानी की भेंट चढ़ गया।इस नुकसान से परिवार बिलख-बिलख कर रो रहा है और प्रशासन से मदद की गुहार लगा रहा है। अभी तक प्रशासन ने परिवार की सुध नहीं ली है। ग्रामीण भी इस गरीब परिवार की मदद की गुहार लगा रहे हैं।

ये क्या? राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देना भूल गए भाजपा विधायक, विडियो हुआ वायरल

रेवाड़ीः रेवाड़ी ज़िले के बावल में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान एक अजीबोगरीब स्थिति देखने को मिली। यहां भाजपा विधायक डॉ. कृष्ण कुमार ध्वजारोहण करने के बाद राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देना ही भूल गए।

सूत्रों के अनुसार, जैसे ही विधायक जी ने झंडारोहण किया, उनके बगल में खड़े प्रशासनिक अधिकारी और आमजन सलामी देने लगे, लेकिन विधायक डॉ. कृष्ण कुमार सीधे खड़े रह गए। यह देख साथ खड़े एसडीएम ने उन्हें इशारे से सलामी देने के लिए कहा। इसके बाद विधायक जी ने झंडे को सलामी दी।

इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोगों ने इसे लेकर अपनी प्रतिक्रियाएं देनी शुरू कर दी हैं। आलोचकों का कहना है कि "जिंदगी में चाहे कुछ सीखो या न सीखो लेकिन अपने राष्ट्रीय ध्वज को सम्मान देना कभी मत भूलो, यह तो हमें पहली कक्षा से सिखाया जाता है। बता दें

कि विधायक डॉ. कृष्ण कुमार राजनीति में आने से पहले स्वास्थ्य विभाग में उपनिदेशक रह चुके हैं और बावल से भाजपा विधायक के रूप में कार्यरत हैं। इस घटना को लेकर सोशल मीडिया पर कई सवाल उठ रहे हैं और लोग इसे लापरवाही के तौर पर देख रहे हैं।

खेल नर्सरियों में खिलाड़ियों के लिए लाजमी होगा ये काम, नहीं किया तो नहीं मिलेगा खुराक भत्ता

जींदः खेल नर्सरियों में अब खिलाड़ियों के लिए बायोमीट्रिक पंचिंग शुरू करवाई गई है। अब रजिस्टर में भरी गई हाजिरी मान्य नहीं होगी। खिलाड़ियों की ऑनलाइन हाजिरी होगी तो ही खिलाड़ियों के बैंक खाते में खुराक भत्ता आएगा। खेल विभाग द्वारा जारी आदेशों के बाद अब खेल नर्सरियों ने बायोमीट्रिक पंचिंग मशीन खरीदनी शुरू कर दी है। 15 अगस्त से प्रदेश की सभी खेल नर्सरियों में ये आदेश लागू हो गए हैं। प्रदेश इस समय करीब दो हजार खेल नर्सरियां चल रही हैं। जींद जिले के इस सत्र में सरकारी स्कूलों, ग्राम पंचायतों में 60 खेल नर्सरियां चल रही है। इनमें जींद जिले में कुश्तीए कबड्डी, हैंडबाल, वेट लिफ्टिंग, वॉलीबॉल, हॉकी, स्वीमिंग, कुश्ती, फुटबॉल, बॉक्सिंग, ऑचरी, बॉस्केटबॉल, एथलेटिक, वुशू, नेटबॉल की प्रेक्टिस अलग-अलग वर्ग के खिलाड़ियों को करवाई जा रही है। जिला खेल अधिकारी रामपाल हुड्डा ने कहा कि खेल विभाग की तरफ से पत्र मिलने के बाद नर्सरियों में पंचिंग मशीनें लगाई जा रही हैं। इसमें किसी प्रकार की कोताही सहन नहीं की जाएगी।

हरियाणा में हारी हुई सीटों को लेकर लिया गया बड़ा फैसला, अब किया जाएगा ये काम

चंडीगढ़ः हरियाणा के सीएम नायब सैनी की अध्यक्षता में 19 अगस्त को भाजपा ने संगठन की बैठक बुलाई है। बैठक सीएम नायब सैनी के चंडीगढ़ स्थित आवास पर होगी, जिसमें हारे हुए उम्मीदवारों, जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी और प्रदेश पदाधिकारियों को बुलाया गया है। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ोली भी उपस्थित रहेंगे।इस बैठक का मुख्य उद्देश्य हरियाणा विधानसभा चुनाव में हारी हुई सीटों को लेकर मंथन करना है। ताकि आगामी विधानसभा चुनाव में इन सीटों पर विजय पाई जा सके। इसके अलावा सरकार और संगठन से जुड़े कई मुद्दों पर इस बैठक में चर्चा होगी। इसके बाद पंचकूला में बीजेपी कार्यालय में मन की बात कमेटी भी मीटिंग होगी। भाजपा ने अभी से 2029 के चुनाव की तैयारी आरंभ कर दी है। भाजपा ने राज्य के उन सभी 42 विधानसभा क्षेत्रों में 12 मंत्रियों और 30 विधायकों को प्रभारी बनाया है, जहां साल 2024 में भाजपा चुनाव हारी थी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और विधानसभा स्पीकर हरविंद्र कल्याण समेत छह भाजपा विधायकों को हारे हुए विधानसभा क्षेत्रों की जिम्मेदारी से अलग रखा गया है।

राज्य में विधानसभा सीटों का परिसीमन भी होना बाकी है। 90 विधानसभा सीटों की संख्या बढ़कर 126 होने का अनुमान लगाया जा रहा है। इस लिहाज से भी मंत्रियों एवं विधायकों को हारे हुए विधानसभा क्षेत्रों में काम करने की जिम्मेदारी को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी को सिरसा, डॉ. अरविंद शर्मा को गढ़ी सांपला किलोई और महिपाल ढांडा को गुहला चीका विधानसभा सीटों की जिम्मेदारी मिली है। राजस्व मंत्री विपुल गोयल रोहतक संभालेंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के पुराने विधानसभा क्षेत्र नारायणगढ़ की जिम्मेदारी कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा को सौंपी गई है। चौटाला के प्रभाव वाले सिरसा एवं फतेहाबाद क्षेत्रों में भाजपा ने तीन मंत्रियों को मोचाबंदी करने का जिम्मा सौंपा है। सिरसा शहर में समाज कल्याण मंत्री कृष्ण कुमार बेदी, ऐलनाबाद में सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी एवं डबवाली की जिम्मेदारी खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम को सौंपी गई है।

कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष को लेकर बड़ा अपडेट, जल्द होगा ऐलान...फाइनल हुआ नाम

चंडीगढ़ः हरियाणा कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष का ऐलान जल्द ही होने वाला है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो हरियाणा विधानसभा के मानसून सत्र से पहले नेता प्रतिपक्ष के नाम की घोषणा कर दी जाएगी। हरियाणा विधानसभा का मानसून सत्र 22 अगस्त से शुरू हो रहा है। जोकि 26 अगस्त तक चलेगा। इसलिए 22 अगस्त से पहले ही कांग्रेस की ओर से नेता प्रतिपक्ष का नाम फाइनल किया जा सकता है। अभी तक नेता प्रतिपक्ष का चयन नहीं कर पाने के कारण भाजपा कांग्रेस पर हमलावर रहती है। विधानसभा के शीतकालीन और बजट सत्र की बैठकें बिना नेता प्रतिपक्ष के हो चुकी है। नेता प्रतिपक्ष का चयन न होने के कारण सदन के बाहर और अंदर भाजपा कांग्रेस पर निशाना साधने में कोई कसर नहीं छोड़ती है। बता दें कि पिछले साल 8 अक्टूबर को विधानसभा चुनावों के नतीजे घोषित हो गए थे, लेकिन कांग्रेस अभी तक सीएलपी नहीं चुन पाई है। प्रदेश में विधायकों की संख्या के हिसाब से विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद भी कांग्रेस को ही मिलना है। 6 मार्च को कांग्रेस हाईकमान की बैठक हुई थी इसमें विधायक दल के नेता के नामों पर चर्चा हुई थी। भूपेंद्र सिंह हुड्डा का नाम इस बैठक में सबसे आगे चल रहा था।

ब्रेविस को रिप्लेसमेंट के तौर पर शामिल करने सीएसके ने कोई गलत तरीका नहीं अपनाया : अश्विन

चेन्नई (एजेंसी)। पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि 2025 आईपीएल सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर डेवाल्ड ब्रेविस की खरीदारी में किसी प्रकार का गलत तरीका नहीं अपनाया था। अश्विन ने कहा कि सीएसके ने रिप्लेसमेंट नियम का बेवजह लाभ नहीं उठाया है। वहीं अश्विन ने पहले आरोप लगाया था कि ब्रेविस को खरीदने के लिए सीएसके ने रिश्वत दी थी। जिसे सीएसके ने खारिज कर दिया था। सीएसके ने एक बयान जारी कर साफ कर दिया कि फ्रैंचाइजी ने ब्रेविस को खरीदने के लिए किसी को पैसा नहीं दिया।

वहीं अब अश्विन को इस मामले पर अपनी सफाई देनी पड़ी है। उन्होंने कहा ÷हम ऐसे युग में जी रहे हैं जहां हमें सच्ची कहानियों पर भी स्पष्टीकरण देना पड़ता है। ऐसे में यहां किसी की कोई गलती नहीं है। इस मामले पर स्पष्टीकरण इसलिए दिया गया है क्योंकि बहुत से लोगों को संदेह है। मुद्दा यह है कि खिलाड़ी की कोई गलती नहीं है, फ्रैंचाइजी की कोई गलती नहीं है, और शायद गवर्निंग बॉडी की भी कोई गलती नहीं है। हम सभी को यह समझना होगा कि अगर किसी फ्रैंचाइजी को किसी खिलाड़ी की जरूरत होती है, तो फ्रैंचाइजी उस खिलाड़ी या खिलाड़ी के एजेंट से बात करती है और बीसीसीआई से कहती है, देखिए, हमारा एक खिलाड़ी चोटिल है, हमें एक खिलाड़ी चाहिए। मामला यहीं समाप्त हो जाता है।

उन्होंने साथ ही कहा, ÷आईपीएल या जिन्हें मंजूरी देनी होती है, वे मंजूरी दे देते हैं और खिलाड़ी आकर खेलता है। अगर यहां कोई गलती होती, तो वह खिलाड़ी फ्रैंचाइजी में नहीं खेलता। यह ब्रेविस के बारे में नहीं है; आमतौर पर ऐसा ही होता है। एक और बात है जो मैं समझाना चाहता हूं। वीडियो में मेरा इरादा यह बताना था कि ब्रेविस कितनी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे। हमें यह समझना होगा कि आईपीएल में खेलने वाले हर खिलाड़ी का एक त्रि-भागीय अनुबंध होता है, खिलाड़ी, फ्रैंचाइज़ी और आईपीएल का।÷

अंत में उन्होंने कहा, तो अगर इसमें कुछ गड़बड़ है, तो इसे मंजूरी नहीं मिलेगी। आईपीएल में चोट के कारण रिप्लेसमेंट में जो लचीलापन है, उसका हर कोई फायदा उठा रहा है। केवल चेन्नई सुपर किंग्स ने ही रिप्लेसमेंट नहीं चुना है; कई और टीमें भी हैं।

यश ढुल का शतक, सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स को हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। यश ढुल के शानदार शतक की बदौलत सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने यहां दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के बारिश से प्रभावित मैच में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स को 15 रन से हरा दिया। ढुल ने 56 गेंद पर 101 रन बनाए जिसमें आठ चौके और सात छक्के शामिल हैं।

युगल सैनी ने 28 गेंदों में 63 रन बनाकर उनका अच्छा साथ दिया जिससे सेंट्रल दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 16 ओवर में सात विकेट पर 197 का विशाल स्कोर खड़ा किया। स्ट्राइकर्स के लिए हर्षित राणा ने बेहतरीन गेंदबाज़ी की और चार ओवर में सिर्फ़ 35 रन देकर तीन विकेट लिए। अर्जुन राप्रिया ने हैट्रिक ली, लेकिन वह दो ओवर में 30 रन देकर काफ़ी महंगे साबित हुए।

सलामी बल्लेबाज सार्थक रंजन (26 गेंदों पर 52 रन) और अर्नव बुग्गा (13 गेंदों पर 43 रन) ने पांच ओवरों के अंदर 85 रन की साझेदारी करके स्ट्राइकर्स को अच्छी शुरुआत दिलाई लेकिन इसके बाद उसने लगातार विकेट गंवाए और आखिर में उसकी टीम नौ विकेट पर 182 रन ही बना सकी।

अवसरों का पूरा फायदा उठाना चाहता हूं

ढुल ने मैच के बाद कहा, 'मैं इस बारे में सोचता हूं कि मुझे जो अवसर मिला है उसका मैं कैसे फायदा उठाऊं। अगर आप भविष्य के बारे में बहुत ज्यादा सोचते हैं तो आप वर्तमान में अच्छा नहीं खेल सकते।' उन्होंने कहा, 'मैं केवल मौजूदा अवसरों पर ध्यान केंद्रित करता हूं। मैं लाल गेंद से भी अभ्यास कर रहा हूं। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (अब बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) में सफेद गेंद से लाल गेंद के क्रिकेट में बदलाव के बारे में जो सीख मिली उससे मुझे काफी फायदा मिल रहा है।'

पिछले वर्ष जुलाई में एक जन्मजात समस्या के कारण हृदय की सर्जरी के कारण ढुल को विश्राम लेना पड़ा और उसके बाद उन्होंने मजबूत वापसी करने पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा, 'उस घटना ने मेरी बहुत मदद की क्योंकि मुझे पता चला कि मैं क्या कर सकता हूं। उस समय कोई भी मेरे साथ नहीं खड़ा था। मुझे पता था कि मैं अकेला हूं और मेरे पास अच्छी वापसी करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। मैंने बस खुद को मानसिक रूप से मज़बूत रखा।% ढुल ने कहा, 'मुझे खुद पर भरोसा था। मुझे पता था कि मैं एक दिन फिर से खेलूंगा और मुझे पता था कि कैसे खेलना है और कैसे खेलूंगा।'

सूर्यकुमार फिट हुए, एशिया कप में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव फिटनेस टेस्ट में पास हो गये हैं। ऐसे में अब अगले माह होने वाले एशिया कप के लिए उनके खेलने को लेकर संशय समाप्त हो गया है। भारत की मेजबानी में होने वाला एशिया कप 9 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएगा। इसका खिताबी मुकाबला 28 सितंबर को होगा। एशिया कप अबू धाबी और दुबई में खेला जाएगा। एशिया कप के लिए भारतीय टीम की घोषणा 19 अगस्त को होगी।

कप्तान सुर्यकुमार यादव के फिट होने से भारतीय टीम ने राहत की सांस ली है। सूर्यकुमार सर्जरी से उबरने के बाद से ही भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में रिहैब कर रहे थे, जहां उन्होनें फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। सूर्यकुमार अब एशिया कप के लिए मुंबई में होने वाली चयन समिति की बैठक में भाग लेंगी। बीसीसीआई के एक अधिकार ने कहा, उन्होंने अपनी फिटनेस साबित कर दी है और एशिया कप में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। कुछ दिन

पहले तक सूर्यकुमार यादव सीओई में रिहैब के तौर से गुजर रहे थे।

सूर्यकुमार ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के खत्म होने के बाद जर्मनी में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी कराई थी। इसके बाद से ही वह खेल से दूर थे। सर्जरी एशिया कप 2025 में भारतीय टीम अपना पहला मैच 10 सितंबर को खेलेगी। इसे बाद 14 सितंबर को भारतीय टीम पाकिस्तान से खेलेगी हालांकि इस मैच का काफी विरोध भी हो रहा है जिससे इसप संशंय के बादल छा गये हैं। भारतीय टीम को एशिया कप में पाकिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात और ओमान के साथ ग्रुप-ए में रखा गया है। वहीं ग्रुप-बी में हांगकांग, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान की टीमें हैं।

रोहित-कोहली को टेस्ट से बाहर करने के पीछे बीसीसीआई की राजनीति: घावरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली ने इंग्लैंड दौरे से पहले अचानक टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेकर सभी को हैरान कर दिया था। यह फैसला क्रिकेट फैंस के लिए चौंकाने वाला इसलिए भी रहा क्योंकि दोनों ही दिग्गज अभी इस फॉर्मेट से हटना नहीं चाहते थे। एक रिपोर्ट्स के अनुसार, रोहित और कोहली इंग्लैंड दौरे की तैयारी में जुटे थे और इस श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन करने को लेकर बेहद उत्साहित थे। लेकिन बीसीसीआई और चयन समिति के दबाव के चलते दोनों को संन्यास का ऐलान करना पड़ा।

रोहित शर्मा ने सबसे पहले इंस्टाग्राम स्टोरी के ज़रिए अपने टेस्ट करियर के अंत की घोषणा की। दो दिन बाद विराट कोहली ने बीसीसीआई को पत्र लिखकर संन्यास लेने की इच्छा जताई और जल्द ही सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से इसे सार्वजनिक भी कर दिया। इन घोषणाओं के बाद क्रिकेट गलियारों में सवाल उठने लगे कि क्या दोनों खिलाड़ी वास्तव में संन्यास लेना चाहते थे या उन्हें मजबूर किया गया। इस बीच यह भी खबर आई थी कि कोहली रणजी ट्रॉफी में दिल्ली के लिए खेलना चाहते थे और उन्होंने अपने कोच से कहा था कि इंग्लैंड दौरे पर कम से कम चार-पांच शतक बनाने का लक्ष्य है। वहीं, रोहित ने भी आईपीएल ब्रेक के दौरान माइकल क्लार्क से बातचीत में इंग्लैंड सीरीज़ को लेकर अपनी तैयारी का जिक्र किया था।

इस पूरे प्रकरण पर पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज कर्सन घावरी ने बड़ा बयान दिया है। घावरी का दावा है कि कोहली और रोहित को बीसीसीआई की आंतरिक राजनीति और चयन समिति के फैसलों के कारण समय से पहले संन्यास लेना पड़ा। उनके मुताबिक, दोनों दिग्गज खिलाड़ी कम से कम कुछ और वर्षों तक टेस्ट क्रिकेट खेल सकते थे और टीम को योगदान दे सकते थे। लेकिन अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति की अलग योजनाओं के चलते उन्हें किनारे कर दिया गया। घावरी ने कहा कि बीसीसीआई ने दोनों को सम्मानजनक विदाई भी नहीं दी, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उनके मुताबिक, ऐसे महान खिलाड़ियों को शानदार विदाई दी जानी चाहिए थी क्योंकि उन्होंने भारतीय क्रिकेट और फैंस के लिए अमूल्य योगदान दिया है। उन्होंने इसे 'छोटी राजनीति' का नतीजा बताया और कहा कि यह समझना मुश्किल है कि आखिर बोर्ड ने इतना बड़ा कदम क्यों उठाया। क्रिकेट जगत में अब भी इस फैसले पर बहस जारी है। एक ओर जहां फैंस और पूर्व क्रिकेटर मानते हैं कि रोहित और कोहली का करियर टेस्ट फॉर्मेट में और आगे बढ़ सकता था, वहीं दूसरी ओर बोर्ड के अंदरूनी फैसलों ने उनकी राह रोक दी। यह विवाद भारतीय क्रिकेट की राजनीति और चयन प्रणाली पर नए सवाल खड़े करता है।

हीली की आक्रामक बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने तीसरा एकदिवसीय जीता

-भारतीय टीम ने 2-1 से सीरीज जीती

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गयी भारतीय महिला ए टीम को तीसरे एकदिवसीय में मेजबानों के हाथों 9 विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम ने इस सीरीज के पहले दो मैच जीतकर जीते थे जिससे वह 2-1 से सीरीज जीतने में सफल रही। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय ए टीम ने शेफाली वर्मा के अर्धशतक से 216 रन बनाकर मेजबानों को जीत के लिए 217 रनों का लक्ष्य दिया। जिसे ऑस्ट्रेलियाई महिलाओं ने एलिसा हीली के शतक से 27.5 ओवर में ही हासिल कर लिया। हीली ने 84 गेंदों पर 137 रन बनाये। इस पारी में 23 चौके और 2 लंबे छक्के भी शामिल थे। उन्हें इस लाजवाब पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी मिला।

एशिया कप : भारत-पाकिस्तान मुकाबले में 10 सेकंड के विज्ञापन के लिए खर्च करने होंगे इतने लाख रुपए

स्पोर्ट्स डेस्क ।एशिया कप 9 सितंबर से शुरू होने वाला है और हमेशा की तरह इस टूर्नामेंट का सबसे प्रतीक्षित मुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच होगा। दोनों देशों के बीच तनाव का एक लंबा इतिहास रहा है और हाल ही में पहलगाम में हुए घातक आतंकवादी हमले के बाद यह और भी बढ़ गया। ऐसी मांगें उठ रही हैं कि भारत को पाकिस्तान के साथ मैचों का बहिष्कार करना चाहिए, लेकिन अब ऐसा होना लगभग नामुमकिन सा लग रहा है। मैदान के बाहर के इन तनावों ने भारत-पाकिस्तान मैचों को भी काफी ध्यान आकर्षित किया है और प्रसारकों को पिछले कुछ वर्षों में इससे फायदा हुआ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया ने भारत के एशिया कप मैचों के दौरान विज्ञापन दरें 14 से 16 लाख रुपए की भारी कीमत तय की है। इसमें भारत और पाकिस्तान के बीच एक हाई-प्रोफाइल मुकाबला भी शामिल है। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडियाने 2031 तक एशिया कप के मीडिया अधिकार 17 करोड़ डॉलर में हासिल कर लिए हैं। इसलिए टूर्नामेंट का प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर होगा और इसकी स्ट्रीमिंग सोनीलिव पर होगी। WPP मीडिया के क्लाइंट सॉल्यूशंस के अध्यक्ष नवीन खेमका ने इकोनॉमिक टाइम्स के हवाले से कहा, 'एशिया कप की अच्छी मांग रहेगी क्योंकि यह त्योहारों से पहले के सीजन में हो रहा है और भारत-पाकिस्तान मैच काफी आकर्षक है। इस साल दिवाली जल्दी आ रही है, इसलिए विज्ञापन गतिविधियां सितंबर में ही शुरू हो जाएंगी।'

'जिस तरह के आजकल हालात...': एशिया कप से पहले पाकिस्तान के मुख्य कोच ने भारत को चेताया

स्पोर्ट्स डेस्क । एशिया कप 9 सितंबर से शुरू होने वाला है और पाकिस्तान के चयनकर्ताओं ने इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए 17 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। पाकिस्तान के मुख्य कोच माइक हेसन और चयन समिति के सदस्य आकिब जावेद इस घोषणा के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद थे और उन्होंने टीम चयन के पीछे के तर्क पर खुलकर बात की।

आकिब जावेद से पूछा गया कि क्या चुनी गई टीम 14 सितंबर को होने वाले मुकाबले में भारत को हराने की क्षमता रखती है। जवाब में पाकिस्तान के मुख्य कोच आत्मविश्वास से भरे दिखे और कहा कि दोनों पड़ोसियों के बीच यह मैच क्रिकेट की दुनिया का सबसे बड़ा मैच है। उन्होंने आगे कहा कि इसमें शामिल खिलाड़ी और आसपास के सभी लोग इस खेल के महत्व को समझते हैं और दावा किया कि एशिया कप 2025 के लिए चुनी गई पाकिस्तान टीम में टूर्नामेंट में किसी भी टीम को हराने की क्षमता है।

आकिब जावेद ने कहा, 'बिल्कुल है। हम चाहें या ना चाहें, भारत और पाकिस्तान का जो मैच है वो क्रिकेट में सबसे बड़ा मैच है। ये हर खिलाड़ी को भी एहसास होता है, हर इंसान को भी एहसास होता है और मुझे लगता है कि ये 17 सदस्यीय टीम है उसमें इतनी क्षमता है जो कि किसी भी टीम को हरा सकती है।'

जावेद ने यह भी उल्लेख किया कि चीजें बदलती रहती हैं और सभी से टीम के पीछे रहने का आग्रह किया। उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच मैदान के बाहर चल रहे तनाव का भी हवाला दिया और कहा कि उनके खिलाड़ी तैयार हैं। आकिब जावेद ने आगे कहा, 'मैं बहुत आशान्वित हूं, चीजें बदलती रहती हैं, इस दफा आप भी तैयार करते हैं और हम भी पकड़ते हैं। खिलाड़ी भी तैयार हैं, और सबको एहसास है कि ये कितना बड़ा मैच है और जिस तरह

के आजकल हालात चल रहे हैं। ये भी नहीं के उन पर कोई दबाव डालना है, लेकिन मैं वास्तव में आशान्वित हूं।'

एशिया पैसफिक पैडल कप में खेलती नजर आयेगी युवराज की छोटी बहन अमरजोत

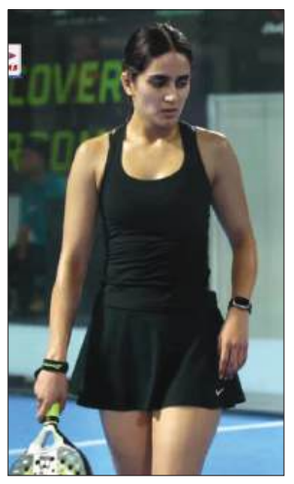

नई दिल्ली । अमरजोत कौर का चयन मलेशिया के कुआलालंपुर में होने वाले एशिया पैसफिक पैडल कप एपीपीस 2025 के लिए भारतीय टीम में हुआ है। अमरजोत भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह की छोटी बहन है। भारतीय पैडल टीम में इस बार अनुभवी और युवा खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। जिससे टीम को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें हैं। एशिया पैसफिक पैडल कप में भारतीय टीम के खिलाड़ी अपनी तेज सर्विस, रैलियों और सटीक स्मैश के बल पर जीत हासिल करने उतरेंगे। एशिया पैसिफिक पैडल कप 2025 में बड़ी टीमें खिताबी मुकाबलों में उतरेंगी। अब युवराज सिंह के प्रशंसकों को उम्मीद है कि उनकी बहन इस टूर्नामेंट में उन्हीं की तरह बेहतर प्रदर्शन करेगी। युवराज के पिता योगराज सिंह ने दो शादियां की है। अमरजोत योगराज की दूसरी पत्नी नीना बुंदेल की बेटी हैं। नीना पंजाबी फिल्मों की शीर्ष अभिनेत्री रही हैं। अमरजोत भी काफी ग्लैमरस और सुंदर हैं। सोशल मीडिया पर उनके साढ़े 32 हजार से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। युवराज और जोरावर के अलावा अमरजोत का एक सगा भाई भी है, जिसका नाम विक्टर सिंह है। पैडल गेम की शुरुआत साल 1969 में मैक्सिको में हुई थी। इसके बाद से ही ये खेल यूरोप, यूएई में लोकप्रिय हुआ और अब ये बड़े शहरों में खेला जाता है। पैडल एक रैकेट गेम है हालांकि इसके रैकेट छोटे होते हैं, ये टेनिस और स्क्वाश का मिला-जुला रुप माना जाता है। यह मुख्य रूप से डबल्स प्रारुप में खेला जाता है।

बीसीसीआई ने डोमेस्टिक क्रिकेट में लाया बड़ा बदलाव, गंभीर चोट पर मिलेगा रिप्लेसमेंट

नई दिल्ली ।भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 2025-26 डोमेस्टिक सीजन से पहले खेल नियमों में अहम बदलाव किए हैं। नए नियम के तहत मल्टी डे क्रिकेट में गंभीर चोट के लिए रिप्लेसमेंट की अनुमति दी जाएगी। इस प्रावधान को गंभीर चोट रिप्लेसमेंट नाम दिया गया है। हाल ही में खेले गए एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में भारत के विकेटकीपर ऋषभ पंत और इंग्लैंड के क्रिस वोक्स चोटिल हो गए थे। उसी अनुभव के बाद बीसीसीआई ने यह कदम उठाया है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, नया नियम मौजूदा कन्कशन सब्स्टीट्यूशन प्रावधान जैसा ही होगा। इसमें किसी खिलाड़ी को गंभीर चोट लगने पर उसकी जगह उसी तरह की क्षमता वाला खिलाड़ी मैदान पर उतर सकेगा। हालांकि, यह प्रक्रिया तभी लागू होगी जब ऑन-फील्ड अंपायर और मैच रेफरी डॉक्टर से परामर्श के बाद इसे मंजूरी देंगे। एक बार रिप्लेसमेंट के बाद घायल खिलाड़ी मैच में दोबारा हिस्सा नहीं ले सकेगा। बीसीसीआई ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस स्थिति में आंकड़ों और रिकॉर्ड्स के लिए घायल खिलाड़ी और रिप्लेसमेंट दोनों को प्रतिभागी माना जाएगा। हालांकि, यह नियम केवल मल्टी डे क्रिकेट जैसे सीके नायडू ट्रॉफी पर लागू होगा। सीमित ओवरों की प्रतियोगिताएं, जैसे विजय हजारे ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी, इसके दायरे में नहीं आएंगी। साथ ही अभी तक यह साफ नहीं है कि भविष्य में इसे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भी लागू किया जाएगा या नहीं।

अपने अंतिम समय में भी मैक्सवेल जीत सकते हैं एक और विश्व कप

कोलकाता (एजेंसी)। केर्न्स-दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ निर्णायक टी20 मैच से पहले ग्लेन मैक्सवेल से पूछा गया कि क्या वनडे से संन्यास लेने के बाद उन्हें अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की समाप्ति तिथि पर विचार करने का मौका मिला है। उन्होंने उत्साह से कहा, 'नहीं।' अगर वह चाहें, तो अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाला टी20 विश्व कप इस प्रारूप के महान खिलाड़ियों में से एक के लिए एक उपयुक्त शुरुआती बिंदु होगा। यह विश्वास करना मुश्किल है कि वह दो साल और खेल पाएंगे, जबकि 2028 का विश्व कप ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा।

शनिवार शाम को उन्होंने बल्ले से दिखाया कि वह अब भी क्या कर सकते हैं, 36 गेंदों में नाबाद 62 रनों की शानदार पारी खेलकर एक अनिश्चित लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम को जीत की ओर ले गए। इससे पहले उन्होंने लॉन्ग-ऑन पर डेवाल्ड ब्रेविस की विनाशकारी पारी का अंत करने के लिए एक मैच-बदलने वाला कैच लपका था। वनडे मैचों से संन्यास लेते समय, मैक्सवेल ने मैदान पर 50 ओवर नहीं टिक पाने का हवाला दिया था, लेकिन हाल ही में कुछ बाउंड्री कैचों से यह बात और पुख्ता हुई है कि वह शानदार पल बिताने में सक्षम हैं।

ऑस्ट्रेलिया विश्व कप से पहले अच्छी फॉर्म में है और मैक्सवेल खेल के तीनों पहलुओं में, दूसरी बार खिताब जीतने की उनकी कोशिश का एक अहम हिस्सा होंगे। उनकी ऑफ स्पिन टीम के संतुलन का एक अहम हिस्सा है और विश्व कप में पावरप्ले में एक अच्छा विकल्प साबित हो सकती है। दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछली दो सीरीज में ऑस्ट्रेलिया ने अपने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव किया है, ऐसे में मैक्सवेल ने अपने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव किया है।

पिछले महीने सेंट किट्स में उन्होंने 18 गेंदों पर 47 रन की पारी खेली थी और इस सीरीज में उन्हें तीन अलग-अलग स्थानों पर इस्तेमाल किया गया। परिस्थिति के अनुसार थोड़ा लचीलापन तो हमेशा रहेगा, लेकिन विश्व कप के लिए छठा और सातवां नंबर उनके लिए सबसे उपयुक्त लग रहा है। बल्लेबाजी में कई बार मैक्सवेल असहज दिखते हैं और हमेशा की तरह, ऐसे पल भी आते रहेंगे जो उन्हें परेशान करते हैं, 'ओह, मैक्सी, तुमने ऐसा क्यों किया?% शॉट। लेकिन फिर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ निर्णायक मैच जैसे मौके भी आते हैं, जब वह सटीक निशाना साधते हैं और सब कुछ सही निकलता है।

जिस तरह से उन्होंने लक्ष्य का पीछा करते हुए खुद को संभाला, वह एक शानदार दिमाग की झलक थी। सिंगल्स लेने में नाकाम रहे - यहां तक कि थोड़े समय के लिए, जब बेन ड्वारशुइस जैसे बेहद काबिल आठवें नंबर के बल्लेबाज उनके साथ थे - और आखिरी ओवर में लुंगी एनगिडी की गेंदबाजी को भांपने की कोशिश करते हुए उन्होंने शॉट 'थर्ड' पर एक फुलटॉस को रिवर्स करके मैच जीत लिया, जबकि पिछली दो गेंदों पर उन्होंने रन नहीं बनाए थे और जरूरत के दो ओवरों में से चार रन बच गए थे।

मैक्सवेल ने कहा, 'मैं शायद पिछली गेंद पर ऐसा करने के बारे में सोच रहा था।%(लेकिन) मुझे लगा कि वह पहले वाली गेंद धीमी करने वाला था ताकि मैं उसे मिडविकेट पर दो रन के लिए मार सकूं। जैसे ही गेंद तेज हुई, मुझे एहसास हुआ कि मैंने शायद गेंद न मारकर गलती की है। मैंने गेंद को इतनी अच्छी तरह मारा कि दो रन नहीं मिल पाए, इसलिए मैंने सोचा, कोई बात नहीं, मैं आखिरी दो गेंदों में से एक पर चौका मारूंगा , उम्मीद है कि चौका लग जाएगा। मुझे लगा कि वह धीमी गेंद नहीं डालेगा।

'हालांकि मैं पहले उससे एक रन ले पाया था, मुझे नहीं लगा था कि यह इतना आसान होगा। मुझे लगता है कि बात थोड़ी ज्यादा बारीक थी। मुझे लगा कि गेंद को वहां तक पहुंचाने के लिए मुझे तेज गति की ज़रूरत है। जैसे ही मैंने गेंद को उसके हाथ से निकलते देखा, मैंने सोचा, कोई भी बल्ला लगाओ और गेंद चली जाएगी। मुझे वो गेंद मिली जो मैं चाहता था और मैं उसे अंजाम तक पहुंचाने में सक्षम था।%

14वें ओवर में जब ऑस्ट्रेलिया को 37 गेंदों पर 51 रनों की जरूरत थी, तब ड्वारशुइस के आने पर अपनी रणनीति के बारे में बताते हुए मैक्सवेल ने कहा कि ऐसा इसलिए था ताकि वह हवा के साथ छोटी बाउंड्री का फ़ायदा उठा सकें। %मैं उस ओवर को जितना हो सके नियंत्रित करना चाहता था और फिर दूसरे छोर से (ड्वारशुइस) पर भरोसा करना चाहता था, जहां उसके पास कुछ और विकल्प थे। मुझे लगता है कि अगर मैंने पहली गेंद पर सिंगल ले लिया होता (जब वह अपनी पारी शुरू ही कर रहा था), तो उसके लिए रन बनाना या तुरंत स्ट्राइक से हटना मुश्किल हो सकता था।

मुझे लगा कि अगर मैं उस ओवर की पांच गेंदों पर नॉन-स्ट्राइकर एंड पर होता और एक दाएं हाथ के बल्लेबाज़ के तौर पर छोटी गेंदें

मारता, तो यह थोड़ा जोखिम भरा हो सकता था। अंत में, मुझे लगता है कि मैंने उस ओवर में 11 रन बनाए, जो एक जीत है। इसने गति बनाए रखी। उसके बाद से, मैंने मूल रूप से दोनों छोर पर उस पर भरोसा किया।

जब मैक्सवेल ने कैगिसो रबाडा के आखिरी ओवर में 15 रन बनाए - एक बड़ी बीमर के रबाडा की पकड़ से छूट जाने के बाद फ्री हिट पर छक्का जड़ा - तो मैच तय लग रहा था और ऑस्ट्रेलिया को 12 गेंदों पर 12 रन चाहिए थे। हालांकि, कॉर्बिन बॉश ने 19वें ओवर में डबल-विकेट मेडन लगाकर मैच में नया मोड़ ला दिया। लेकिन एडम जम्पा ने दो गेंदें बचाकर अपनी भूमिका निभा दी थी और मैक्सवेल के पास स्ट्राइक थी। उन्हें अच्छी तरह पता था कि उन्हें क्या करना है।

एशिया कप के लिए पाकिस्तान टीम में बाबर, रिजवान को नहीं मिली जगह

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अगले माह संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले टी20 एशिया कप के साथ ही त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज के लिए भी अपनी टीम घोषित कर दी है। इस टीम की कप्तानी सलमान आगा करेंगे पर इस टीम में अनुभवी बल्लेबाजों बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को जगह नहीं मिली है। एशिया कप से पहले पाक टीम यूएई और अफगानिस्तान के खिलाफ 29 अगस्त से त्रिकोणीय सीरीज भी खेलेगी। एशिया कप 9 सितंबर से शुरू होगा। एशिया कप के लिए जिन खिलाड़ियों को जगह मिली है। उनमें तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी और हारिस रऊफ के साथ ही फखर जमन और खुशदिल शाह भी शामिल हैं। वहीं विकेटकीपर मोहम्मद हारिस का भी टीम में शामिल किया गया है। चयनकर्ताओं ने हसन नवाज, सलमान मिर्जा और सुफयान मोकिम जैसे युवा खिलाड़ियों को भी अवसर दिया है। सलमान को बांग्लादेश में अच्छे प्रदर्शन के लिए टीम में बनाये रखा गया है, जहां उन्होंने तीन मैचों में 5.21 की इकॉनमी रेट से सात विकेट लिए थे। पाक टीम के मुख्य कोच माइक हेसन ने कहा, हमने सलमान को बांग्लादेश में उनके प्रदर्शन के कारण टीम में बरकरार रखा है। एशिया कप 2025 में पाकिस्तान को ग्रुप ए में भारत, ओमान और यूएई के साथ शामिल किया गया है। इसमें पाक टीम अपने अभियान की शुरुआत 12 सितंबर को ओमान के खिलाफ करेगी। इसके बाद उन्हें भारत के खिलाफ 14 सितंबर को बहुप्रतीक्षित मुकाबला खेलना है।

टीम इस प्रकार है - सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमान, हारिस रऊफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), मोहम्मद नवाज, मोहम्मद वसीम जूनियर, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, सलमान मिर्जा, शाहीन शाह अफरीदी और सुफियान मुकीम।

डर लगता है जब छावा और कश्मीर फाइल्स जैसी फिल्में बनती हैं...

जॉन अब्राहम इन दिनों अपनी फिल्म तेहरान की रिलीज को लेकर चर्चा में हैं। साल 2012 में इजराइली राजनयिकों पर हुए हमलों पर आधारित यह फिल्म सीधे ओटीटी पर 14 अगस्त को दस्तक दे रही है। जॉन बीते कुछ समय में देशभक्त जॉनर की फिल्मों को लेकर चर्चा में रहे हैं। अब एक हालिया बातचीत में, उन्होंने लगातार बन रही राष्ट्रवादी फिल्मों पर अपनी राय दी है। जॉन का कहना है कि ऐसी फिल्में अक्सर कट्टरपंथ की हद तक पहुंच जाती हैं और दर्शकों की भावनाओं को भड़काने से परहेज नहीं करतीं। दिलचस्प है कि इसी साल की शुरुआत में छावा की बंपर सक्सेस की तारीफ करने वाले जॉन अब्राहम ने अब कहा है कि वह कभी छावा या द कश्मीर फाइल्स जैसी फिल्में नहीं बनाएंगे। यही नहीं, उन्होंने ऐसी फिल्मों के बनने और दर्शकों पर पड़ने वाले इसके प्रभाव को डरावना भी बताया है। बातचीत में, जॉन ने फिल्मों पर सेंसरशिप के बारे में भी बात की और कहा, सेंसरशिप जरूरी है। लेकिन जिस तरह से इसे कंट्रोल किया जाता है, वह वह जरा सवाल खड़े करता है।

दक्षिणपंथी फिल्मों को भारी दर्शक मिलना मेरे लिए चिंता

जॉन अब्राहम ने आगे यह स्वीकार किया कि जिस तरह दक्षिणपंथी फिल्मों को ज्यादा दर्शक मिलते हैं। वह चिंता का सबब है। एक्टर ने कहा, मेरे लिए चिंता की बात यह है कि दक्षिणपंथी फिल्मों को भारी दर्शक वर्ग मिलता है। ऐसे में एक फिल्म निर्माता के तौर पर आप खुद से पूछते हैं कि आप किस राह पर चलेंगे - क्या मैं व्यावसायिक रास्ता अपनाऊंगा या मैं अपनी बात पर अड़ा रहूंगा। मैंने दूसरा रास्ता चुना है।

ऐसे इरादों से बनीं फिल्में मेरे लिए डरावनी

जब जॉन अब्राहम से पूछा गया कि क्या उनका भी मन बॉक्स ऑफिस पर बंपर हिट रही छावा और द कश्मीर फाइल्स जैसी फिल्में बनाने का करता है? इस पर उन्होंने जवाब दिया, मैंने छावा नहीं देखी है, लेकिन मुझे पता है कि लोगों को यह और द कश्मीर फाइल्स दोनों पसंद आई हैं। जब फिल्में एक अति-राजनीतिक माहौल में लोगों को प्रभावित करने के इरादे से बनाई जाती हैं और ऐसी फिल्मों को दर्शक मिलते हैं, तो यह मेरे लिए डरावना है। आपके सवाल का जवाब है, नहीं। मुझे कभी ऐसा मन नहीं किया और मैं ऐसी फिल्में कभी नहीं बनाऊंगा।

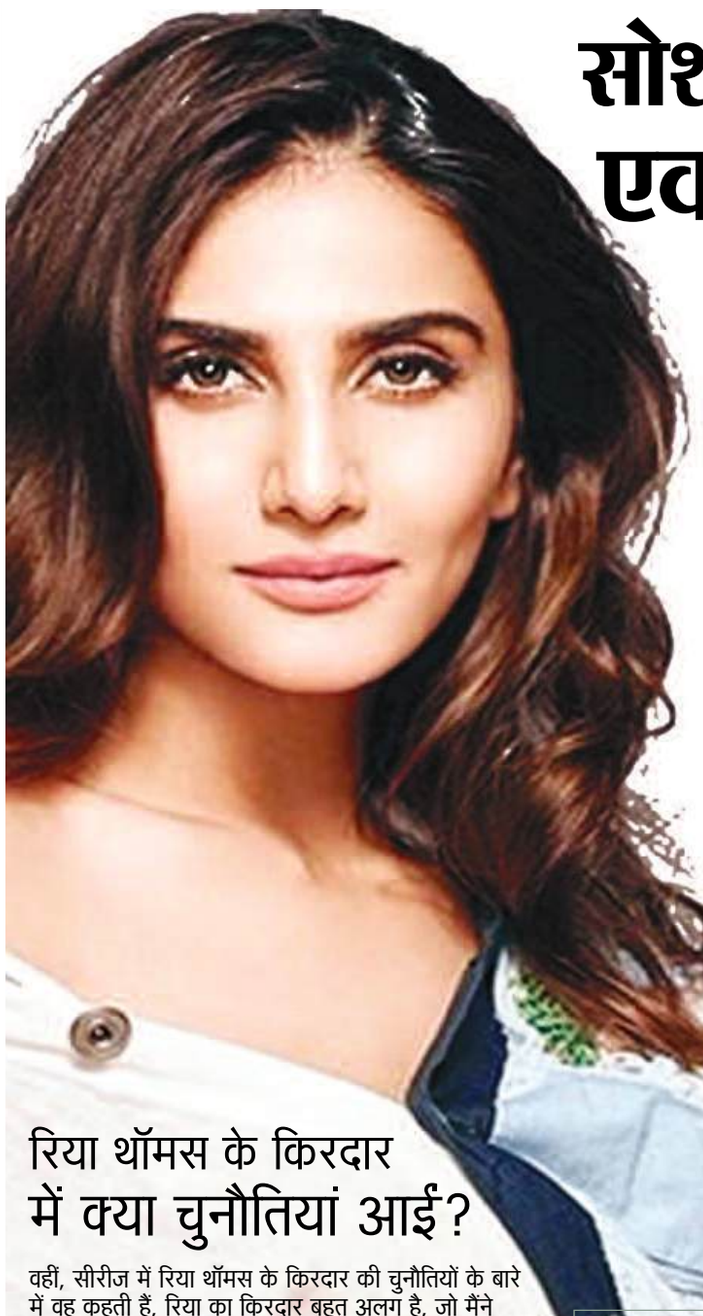

रिया थॉमस के किरदार में क्या चुनौतियां आईं?

वहीं, सीरीज में रिया थॉमस के किरदार की चुनौतियों के बारे में वह कहती हैं, रिया का किरदार बहुत अलग है, जो मैंने पहले कभी नहीं निभाया था। वह वैसी अल्फा किस्म की पुलिस ऑफिसर नहीं है। उसकी ताकत उसकी असुरक्षाओं से ही आती है। उसकी एक बहुत इमोशनल जर्नी थी, जिसे मैंने पूरी ईमानदारी से दिखाने की कोशिश की।

सोशल मीडिया पर हम एक्टर्स की हर चीज पब्लिक होती है

अपनी वेब सीरीज मंडला मर्डर्स में चैलेंजिंग दौर से गुजर रही पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाने वाली वाणी कपूर अपने करियर की चुनौतियों पर कहती हैं, मेरी चुनौतियां लोगों को इतनी दिखाई नहीं देती है, क्योंकि वो इतनी लाउड नहीं रही हैं। मगर कई बार ऐसा हुआ है कि मेरे प्रॉजेक्ट्स लंबे-लंबे गैप के बाद आए हैं तो क्रिएटिव संतुष्टि नहीं महसूस होती। फिर, मेरी आदत है कि मैं खुद को लेकर बहुत आलोचनात्मक हो जाती हूं। खुद के साथ बहुत कठोर हो जाती हूं। मेरी सबसे बड़ी जद्दोजहद ही ये रहती है कि मैं खुद के प्रति दयालु रहूं, क्योंकि मैं खुद भी एक दबाव बना लेती हूं।

सही क्रिटिसिज्म और शोर का फर्क समझना जरूरी

आज के सोशल मीडिया के दौर में ट्रोलिंग, नेगेटिविटी, खासकर ऐक्टर्स को निशाना बनाया जाना आम है। वाणी इन चीजों को कैसे हैंडल करती हैं? इस पर वह बताती हैं, सोशल मीडिया की वजह से हमारी जिंदगी ही थोड़ी नकली, सतही हो गई है। इसके फायदे भी हैं। यह इतना बड़ा मंच है, जिससे हमारी दुनिया कनेक्टेड हो गई है, मगर यहां हम इतनी चीजें हम देखते हैं और दूसरों से अपनी जिंदगी की तुलना करने लग जाते हैं। इससे हमारी अपनी अहमियत कम हो जाती है। हम हर वक्त दूसरों से मान्यता पाने में लग जाते हैं और हमारी इंडस्ट्री तो वैलिडेशन पर ही चलती है, तो काफी बार स्ट्रगल होता है, लेकिन आपको अपनी अहमियत खोजनी होती है, वरना खुद को खो देना बहुत आसान है।

एक्टर्स के लिए हर चीज होती है पब्लिक

वो कहती हैं, चूंकि, हम ऐक्टर्स की हर चीज पब्लिक होती है। हमारी सफलता पब्लिक है तो असफलताएं भी पब्लिक हैं। इसलिए, कोई भी राय दे सकता है, जजमेंट पास कर सकता है। ऐसे में, यह समझदारी हमें सीखनी पड़ती है कि कौन सी बात काम की है, जिससे सीख कर आप खुद को बेहतर बना सकते हैं और दूसरा होता है शोर, जिसमें लोग एक भेड़चाल में बात करते हैं, जिसे इग्नोर करना ही एकमात्र तरीका है। वैसे, मेरा मानना है कि सोशल मीडिया पर रहना भी एक सोशल जिम्मेदारी है। हर व्यक्ति को यह जिम्मेदारी समझनी चाहिए कि आपके शब्द किसी पर क्या असर कर रहे हैं। बाकी, उनसे डील करने के लिए मैं मेडिटेट करती हूं। इसके अलावा, आपके पास एक सपोर्ट सिस्टम बहुत जरूरी है।

सभी धर्मों में भरोसा, अंधविश्वास में नहीं

वाणी की सीरीज आस्था और अंधविश्वास पर आधारित है। निजी जिंदगी में उनका इन चीजों में कितना भरोसा है? इस पर उनका कहना है, मैं आध्यात्मिक हूं। मैं सबके ईश्वर का सम्मान करती हूं। मेरे लिए सब धर्म बराबर हैं, सारे भगवान एक हैं। मैं एनर्जी में बहुत यकीन करती हूं। मैं मानती हूं कि पॉजिटिव और नेगेटिव एनर्जी होती है और हम जो एनर्जी दुनिया में भेजते हैं, वही हमें वापस मिलती है। अगर आप पॉजिटिव सोचते हैं तो वैसे ही लोग अपने आसपास इकट्ठा करते हैं। जहां आप नेगेटिव सोचेंगे, वही सोच आपकी सचाई और पहचान बन जाती है।

'वॉर 2' और 'कुली' की टक्कर से पहले ऋतिक ने रजनीकांत को बताया अपना गुरु

14 अगस्त को बॉक्स ऑफिस पर दो बड़ी फिल्मों का क्लैश होने वाला है। इसमें एक फिल्म है रजनीकांत की 'कुली' और दूसरी है ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की 'वॉर 2'। दोनों ही फिल्मों को लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है। अब इस क्लैश से एक दिन पहले ऋतिक रोशन ने सुपरस्टार रजनीकांत के लिए एक खास पोस्ट किया है और उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

50 साल पूरे होने पर ऋतिक ने दी बधाई

'वॉर 2' और 'कुली' के रिलीज से पहले ऋतिक रोशन ने आज रजनीकांत के करियर के 50 साल पूरे होने पर एक्स पर उनके लिए एक खास पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में ऋतिक ने रजनीकांत को अपना बेस्ट टीचर और प्रेरणा बताया है। ऋतिक ने लिखा, एक अभिनेता के रूप में आपके साथ मैंने अपनी शुरुआत की। आप मेरे पहले शिक्षकों में से एक थे। आज भी आप एक प्रेरणा हैं। आपने एक स्टैंडर्ड सेट किया है। पर्दे पर अपना जादू बिखेरने के 50 साल पूरे होने पर आपको बधाई।

12 साल की उम्र में रजनीकांत के साथ फिल्म में नजर आए थे ऋतिक

ऋतिक रोशन ने साल 1986 में आई फिल्म 'भगवान दादा' में रजनीकांत के साथ अभिनय किया था। उस वक्त ऋतिक सिर्फ 12 साल के थे। यही वजह है कि ऋतिक ने रजनीकांत को अपना गुरु को बताया है। हालांकि, 'भगवान दादा' बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही थी।

बॉक्स ऑफिस का सबसे बड़ा क्लैश

'वॉर 2' और 'कुली' ये दोनों ही फिल्में 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही हैं। इन दोनों फिल्मों को लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है। इसे इस साल का सबसे बड़ा बॉक्स ऑफिस क्लैश माना जा रहा है। हालांकि, एडवांस बुकिंग में 'कुली' 'वॉर 2' पर भारी पड़ती दिख रही है। ऐसे में इस क्लैश से पहले ऋतिक द्वारा रजनीकांत के लिए पोस्ट करने और उन्हें बधाई देने पर यूजर्स ऋतिक की तारीफ कर रहे हैं।

विकास मनकतला ने स्पेशल ऑप्स 2 के किरदार के लिए 11 किलो वजन बढ़ाया

मनोरंजन की दुनिया में, शारीरिक बदलाव अक्सर एक अभिनेता की लगन और समर्पण का प्रमाण होते हैं। बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज़ 'स्पेशल ऑप्स 2' में अभय सिंह की भूमिका के लिए अभिनेता विकास मनकतला ने इसे एक नए स्तर तक पहुंचा दिया। अपने सामान्य दुबले-पतले शरीर से एक दमदार और मांसल लुक तक और फिर वापस पहले जैसी फिटनेस में लौटने की उनकी यात्रा ने दर्शकों और समीक्षकों को हैरान कर दिया है। अभय सिंह जैसे सख़्त और प्रभावशाली किरदार के लिए विक्कस को बड़ा शारीरिक परिवर्तन करना पड़ा। उन्होंने 11 किलो वजन बढ़ाया और शरीर को इस तरह गढ़ा कि वह किरदार की ताकत और गंभीरता को पूरी तरह दर्शा सके। यह बदलाव एक सावधानीपूर्वक तैयार डाइट और कठिन वर्कआउट रूटीन का नतीजा था। इसका परिणाम एक ऐसा दमदार लुक रहा जिसने किरदार की पर्सनालिटी को और भी प्रामाणिक और शक्तिशाली बना दिया। अभय सिंह के किरदार के लिए उनका समर्पण सीरीज़ में एक और परत जोड़ता है, जिससे 'स्पेशल ऑप्स 2' और भी प्रभावशाली हो गई है। अब जब सीरीज़ रिलीज़ हो चुकी है, विकास ने वह वजन कम कर लिया है और अपनी फिट और तराशी हुई बॉडी में वापस आ गए हैं।

बिपाशा बसु से खुद को बेहतर बताने पर बुरी फंसी मृणाल

बॉलीवुड में स्टारडम के साथ-साथ विवाद भी अक्सर कलाकारों के साथ चलते हैं। हाल ही में अभिनेत्री मृणाल ठाकुर एक पुराने वीडियो की वजह से चर्चा में हैं, जिसमें वो खुद की तुलना बॉलीवुड की दिग्गज अदाकारा बिपाशा बसु से करती नजर आ रही हैं। इस वीडियो ने न सिर्फ सोशल मीडिया पर हंगामा मचा दिया है, बल्कि मृणाल को लोगों के गुस्से और आलोचनाओं का सामना भी करना पड़ रहा है।

जब मृणाल ने खुद को बताया बिपाशा से बेहतर

ये मामला तब सामने आया जब मृणाल ठाकुर का एक पुराना वीडियो इंटरनेट पर वायरल हुआ, जो उनके टीवी सीरियल कुमकुम भाग्य के दिनों का है। वीडियो में वह अपने को-एक्टर अर्जित तनेजा से बातचीत करते हुए पूछती हैं कि क्या वह मसल्स वाली लड़कियों को पसंद करते हैं। जब अर्जित जवाब देते हैं कि उन्हें फिट लड़कियां अच्छी लगती हैं, तो मृणाल कहती हैं, तो फिर बिपाशा से शादी कर लो। जब अर्जित बिपाशा की तारीफ करते हैं, तो मृणाल बेझिझक कहती हैं, मैं बिपाशा से बेहतर हूं। बस फिर क्या था, अब इस पुराने बयान के बाद लोगों का गुस्सा भड़क उठा। मृणाल इन दिनों अपनी हालिया फिल्म सन ऑफ सरदार 2 को लेकर भी खबरों में हैं, जिसमें उन्होंने सुपरस्टार अजय देवगन के साथ लीड रोल निभाया है। फिल्म 1 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, लेकिन अब तक बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई है। इसके अलावा मृणाल, साउथ इंडस्ट्री के सुपरस्टार धनुष के साथ अपनी कथित नजदीकियों को लेकर भी सुर्खियों में हैं।

'कुली' में आमिर खान का अहम किरदार, क्लाईमैक्स में रजनीकांत से कड़ी टक्कर

रजनीकांत की फिल्म 'कुली' 14 अगस्त को रिलीज हो रही है। इस फिल्म में रजनीकांत के अलावा बॉलीवुड से आमिर खान, तेलुगु सिनेमा से नागार्जुन, कन्नड़ सिनेमा से उपेंद्र राव और मलयालम सिनेमा से सौबिन शाहिर जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। खास बात ये है कि आमिर खान इस फिल्म में रजनीकांत के पुराने दोस्त के किरदार में दिखेंगे।

सूत्रों की मानें तो फिल्म की कहानी 1990 के दशक में चल रही सोने की तस्करी के इर्द-गिर्द बुनी गई है। आमिर फिल्म में रजनीकांत के दोस्त का किरदार निभा रहे हैं, जो कहानी में अहम भूमिका निभाता है। यह कोई छोटा-मोटा कैमियो नहीं है, बल्कि कहानी के महत्वपूर्ण हिस्सों में आमिर की मौजूदगी नजर आएगी।

बिखर जाती है रजनीकांत की टीम

सूत्र आगे बताते हैं कि रजनीकांत का किरदार देवा नाम के एक पूर्व सोना तस्कर का है, जो अपनी पुरानी टीम को फिर से जोड़कर खोई हुई ताकत वापस पाना चाहता है। उस टीम में आमिर खान का किरदार मुंबई से जुड़ा हुआ है। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे देवा और उसकी टीम के लोग सुनहरी घड़ियों के भीतर छुपाई हुई तकनीक का इस्तेमाल करके तस्करी करते थे। समय के साथ ये टीम देश के अलग-अलग हिस्सों में बिखर गई। आगे जाकर देवा अपने पुराने दोस्तों को एकजुट करता है, जिसमें आमिर का किरदार दाहा काफी अहम है।

आमिर-रजनीकांत का टकराव

सूत्र ने यह भी बताया कि आमिर ने लगभग सात दिनों तक राजस्थान के जयपुर में इस फिल्म की शूटिंग की थी। फिल्म के अहम सीन नाहरगढ़ और सांभर में फिल्माए गए। इस दौरान अमिर ने नॉर्मल सीन के साथ ही छोटे-छोटे एक्शन सीन भी शूट किये। फिल्म के क्लाइमैक्स में आमिर और रजनीकांत के बीच लगभग 15 मिनट का जबरदस्त एक्शन सीन है। यह फिल्म के महत्वपूर्ण हिस्सों में से एक है।

नागार्जुन की खतरनाक एंट्री

आमिर के अलावा 'कुली' में नागार्जुन का किरदार भी काफी अहम है। सूत्र बताते हैं कि नागार्जुन अंग तस्करी के रैकेट के मुखिया के रूप में नजर आएंगे। फिल्म में रजनीकांत का न सिर्फ आमिर, बल्कि नागार्जुन के किरदार से भी टकराव होता है। फिल्म में नागार्जुन का किरदार न केवल खतरनाक है बल्कि बेहद चालाक भी है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327, E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।